राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 अमेरिका में लोकेश सत्यनाथन ने लॉन्ग जंप में गोल्ड जीता... | सम्पादकीय मासूम संवेदनाएं | भारत बना दुनिया का भरोसेमंद निवेश ठिकाना 5

वर्ष 20 ● अंक 58 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | भोपाल, रविवार 19 अप्रैल 2026 | email - hindustanexpressbhopal@gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

महिला आरक्षण बिल पास नहीं हुआ इसलिए माफी मांगता हूं: पीएम मोदी

जिन लोगों ने आधी आबादी का अधिकार छीना, उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला आरक्षण बिल पर देश को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण पास नहीं करा पाए, इसके लिए सभी महिलाओं से माफी मांगता हूं। पीएम ने कहा- मेरे लिए देशहित सर्वोपरि है। कांग्रेस, डीएमके, सपा जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी को उठाना पड़ा।

लोकसभा में शुक्रवार को महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान (131वां संशोधन) बिल पास नहीं हो सका था। इस बिल में लोकसभा सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 करने और महिलाओं को 33% आरक्षण देने का प्रस्ताव था। बिल के पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े, जबकि इसे पास करने के लिए 352 वोटों की जरूरत थी। सूत्रों के मुताबिक, पीएम ने शनिवार को कैबिनेट मीटिंग में कहा कि विपक्ष ने महिला आरक्षण का समर्थन न करके गलती की है और उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे। पीएम मोदी ने कहा- विपक्ष महिलाओं से उनका अधिकार छीनकर मेज थपथपा रहा था। उन्होंने जो किया वह टेबल पर सिर्फ थाप नहीं थी वो नारी के स्वाभिमान पर चोट थी। नारी सब भूल जाती है मगर अपमान नहीं भूलती। पीएम मोदी ने कहा- संसद में कांग्रेस और उसके सहयोगियों के व्यवहार की कसक नारी के मन में रहेगी। देश की नारी जब भी अपने क्षेत्र में इन नेताओं को देखेगी तो याद करेगी कि इन्होंने ही महिला आरक्षण रोकने का जश्न मनाया था। पीएम ने कहा- कांग्रेस, डीएमके, सपा जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी को उठाना पड़ा। देश की करोड़ों नारी की नजर संसद में थी। देश की नारी देख रही थी। मुझे भी देखकर दुख हुआ नारी हित का प्रस्ताव गिरा। उस समय कांग्रेस, डीएमके, टीएमएसी, सपा जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशी से तालियां बजा रही थीं।

एमपी ई-सेवा' से डिजिटल गवर्नेंस को मिला सशक्त आधार: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

56 विभागों की 1700 सेवाएँ एक ही पोर्टल पर उपलब्ध, सेवा वितरण प्रणाली हुई अधिक जवाबदेह एवं सुव्यवस्थित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 'एमपी ई-सेवा पोर्टल और मोबाइल ऐप' के माध्यम से प्रदेश में डिजिटल गवर्नेंस को सशक्त आधार मिला है। इससे नागरिक सेवाएँ अब अधिक सरल, सुगम और सुलभ हुई हैं। डिजिटल तकनीक आज सुशासन की आधारशिला बन चुकी है और प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ते हुए देश में नई पहचान स्थापित कर रहा है। अब प्रदेशवासियों को विभिन्न विभागों की सेवाओं के लिए अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर जाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि एक ही मंच पर सभी सुविधाएँ सहज, त्वरित और पारदर्शी रूप में उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल से सेवा वितरण प्रणाली अधिक जवाबदेह और सुव्यवस्थित बनी है। साथ ही नागरिकों के समय एवं संसाधनों की बचत सुनिश्चित हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह एकीकृत नागरिक सेवा मंच 56 विभागों की 1700 से अधिक सरकारी सेवाओं और योजनाओं को एक ही डिजिटल विंडो पर उपलब्ध करा रहा है। वर्ष 2026 तक 100 प्रतिशत ई-सेवा डिलीवरी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो प्रदेश को डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) के सेंटर फॉर एक्सीलेंस द्वारा विकसित यह प्लेटफॉर्म नागरिकों, विभागों एवं सेवाओं को एकीकृत डिजिटल इको-सिस्टम में जोड़ते हुए सुशासन को और अधिक प्रभावी तथा परिणामोन्मुख बनाने में सहायक सिद्ध होगा। एमपी ई-सेवा पोर्टल पर विभिन्न विभागों की 1700 सेवाओं को एकीकृत कर नागरिकों को बार-बार अलग-अलग पोर्टल पर जाने और दस्तावेज़ जमा करने की आवश्यकता समाप्त की गई है। नागरिक अब द्दह्यद्द1ड्ड.द्वश्च.द्दश1.द्बठ्ठ और मोबाइल ऐप के माध्यम से पात्रता जांच, आवेदन, स्टेटस ट्रैकिंग और अनुमोदन जैसी सभी सुविधाएँ एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकते हैं। पोर्टल पर आधार आधारित प्रमाणीकरण, ई-साइन और डिजिटल प्रमाणपत्र की व्यवस्था से पूरी प्रक्रिया पेपरलेस और फेसलेस बनाई गई है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता दोनों में वृद्धि हुई है।

'एमपी ई-सेवा' को समग्र सामाजिक सुरक्षा मिशन के समग्र पोर्टल से जोड़ा गया है। प्रत्येक परिवार को 8 अंकीय परिवार आईडी और हर सदस्य को 9 अंकीय सदस्य आईडी दी गई है। इससे ऑटो-वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को सक्षम बनाया गया है। इससे पात्रता निर्धारण स्वतः हो जाता है और अनावश्यक देरी व दोहराव समाप्त होता है। पोर्टल की प्रमुख विशेषता 'ऑटो-फेचिंग डॉक्युमेंट्स' है, जिससे नागरिकों को बार-बार दस्तावेज़ अपलोड करने की आवश्यकता नहीं रहती।एक बार अपलोड किए गए दस्तावेज आगे की सेवाओं में स्वतः उपलब्ध हो जाते हैं।

एमपी ई-सेवा पोर्टल को मोबाइल-फर्स्ट दृष्टिकोण के साथ विकसित किया गया है। इसमें बहुभाषीय सुविधा के साथ दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष डिज़ाइन किया गया है, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के नागरिक आसानी से इसका उपयोग कर सकें। प्लेटफ़ॉर्म पर अब तक 2 लाख 14 हजार से अधिक ट्रांसेक्शन दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें 3 हजार 446 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि 1 लाख 64 हजार 600 से अधिक ट्रैक/डाउनलोड गतिविधियाँ और 45 हजार 954 समग्र पात्रता जांचें की गई हैं।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा वितरण आकलन (एनईएसडीए) 2025 रिपोर्ट में मध्यप्रदेश ने 1752 ई-सेवाओं को मैप कर सभी 56 अनिवार्य विभागीय सेवाओं को 100 प्रतिशत एकीकृत करते हुए देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया।प्रदेश को 'सायबर तहसील' के लिए प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार तथा 'संपदा 2.0' के लिए राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं, जो डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में राज्य की उपलब्धियों को दर्शाते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज करेंगे ओरछा-चंदेरी के लिये 'पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा' का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश में पर्यटन और धार्मिक यात्राओं को सुगम, सुरक्षित और आनंददायक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए रविवार, 19 अप्रैल को सुबह 9:30 बजे, राजधानी के स्टेट हैंगर से 'पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा' के अंतर्गत नए सेक्टर (भोपाल-चंदेरी-ओरछा) का विधिवत शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर हेलीकॉप्टर को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे और यात्रियों को बोर्डिंग पास भी प्रदान करेंगे।

यह नया सेक्टर भोपाल को भगवान श्रीराम की राजनगरी ओरछा और ऐतिहासिक विरासत के लिए प्रसिद्ध चंदेरी से जोड़ेगी। इससे श्रद्धालु श्रीरामराजा मंदिर में सुगमता से दर्शन के लिये पहुँच सकेंगे और चंदेरी की सांस्कृतिक विरासत व प्रसिद्ध हस्तशिल्प (चंदेरी साड़ी) का अनुभव ले सकेंगे। सेक्टर-2 अंतर्गत यह सेवा सप्ताह में 5 दिन (बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार) संचालित होगी। यात्रियों के लिए भोपाल से चंदेरी का किराया 5,500 और भोपाल से ओरछा का किराया 6,500 निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, 14,500 के विशेष पैकेज में टैक्सी, वीआईपी दर्शन और प्रसाद जैसी 'एंड-टू-एंड' सुविधाएं भी शामिल हैं। चंदेरी और ओरछा में पर्यटकों के लिए 3,500 में 'जॉय राइड' की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। पीपीपी मॉडल पर संचालित इस सेवा में पर्यटकों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है। यात्रा के लिए 6 सीटों वाले आधुनिक हेलीकॉप्टर का उपयोग किया जा रहा है।

विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने किया गहना ज्वैलर्स का भव्य शुभारंभ

संचालक राकेश मंगल ने किया विस अध्यक्ष श्री तोमर का अभिनंदन

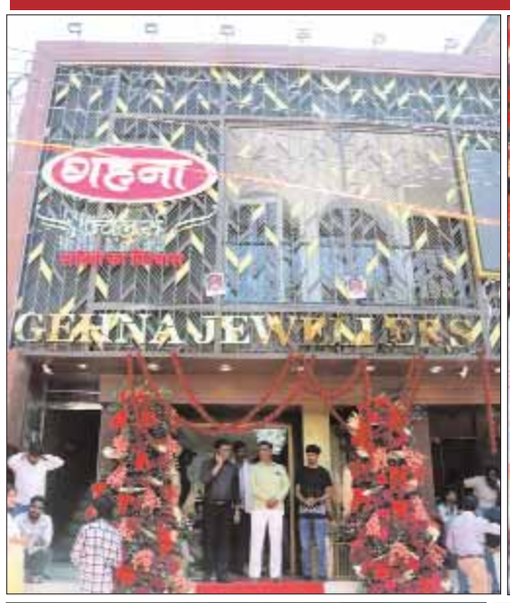

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। एम.एस. रोड स्थित मित्तल धर्मशाला के पास विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा शनिवार को गहना ज्वैलर्स का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गहना ज्वैलर्स के संचालक राकेश मंगल सहित अनेक व्यवसायी, भाजपा नेता आदि मौजूद थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने फीता काटकर गहना ज्वैलर्स का शुभारंभ किया। तत्पश्चात् उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर शोरूम का अवलोकन किया। उन्होंने गहना ज्वैलर्स के संचालक राकेश मंगल की प्रशंसा की कि उन्होंने मुरैना में अपना शोरूम प्रारंभ किया है। श्री तोमर ने कहा कि निश्चित रूप से यह शोरूम मुरैना ही नहीं अपितु अंचल के अनेक लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा, क्योंकि उन्हें यहां पर उचित दरों पर सोने के आभूषण गुणवत्ता के साथ उपलब्ध होंगे। श्री तोमर ने अंत में शोरूम प्रारंभ करने के लिए संचालक राकेश मंगल को पुनः धन्यवाद दिया। इस दौरान श्री मंगल ने भी विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर का अभिनंदन करते हुए यहां आने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

चर्चा के दौरान संचालक राकेश मंगल ने बताया कि अभी तक ग्वालियर, झाँसी, गुना में शोरूम संचालित हो रहे हैं। इसी कड़ी में अब मुरैना में गहना ज्वैलर्स के शोरूम का शुभारंभ होने जा रहा है। यह शोरूम मित्तल धर्मशाला के पास एम.एस. रोड पर खोला गया है। ग्वालियर में सदर बाजार, मुरार, सर्राफा बाजार ग्वालियर, सिटी सेंटर ग्वालियर सहित झाँसी में सिविल लाइन व गुना में ए.बी. रोड पर शोरूम संचालित हैं। उन्होंने बताया कि हमारी संस्था का नाम ग्राहकों के लिए विश्वसनीयता की पहचान बन चुका है। हमारे यहां वाजिब दामों पर पूर्ण गुणवत्ता युक्त सोने के आभूषण ग्राहकों को मुहैया कराये जाते हैं। उन्होंने बताया कि हमारे संस्थान का नाम लोगों के दिलों में क्वालिटी के रूप में अपना स्थान बना चुका है। हमारे यहां 100 प्रतिशत एक्सचेंज इन गोल्ड ज्वैलरी, 100 प्रतिशत एक्सचेंज इन डायमण्ड ज्वैलरी, 100 प्रतिशत एचयूआईडी ज्वैलरी की गारण्टी है।

नगर को सुन्दर बनाने के लिए निगम प्रशासन का सहयोग करें: विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह

-मुरैना नगर को मिलेगा नया सौंदर्य: डिवाइडरों पर होगा पौधरोपण
-2.30 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि नगर निगम मुरैना क्षेत्र में लगभग 10 किलोमीटर लंबे डिवाइडरों पर व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा। इसके साथ ही ए.बी. रोड फ्लाईओवर के नीचे आकर्षक कलर पेंटिंग, वर्टिकल गार्डन एवं आधुनिक लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी, जिससे शहर की सुंदरता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इन विकास कार्यों के लिए बेरियर चौराहा पर 2.30 करोड़ रुपये की लागत से भूमिपूजन किया गया।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी, प्रभारी कलेक्टर कमलेश कुमार भार्गव, प्रभारी आयुक्त नगर निगम एल.एस. डोडिया, भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश कुशवाह, पूर्व विधायक बलवीर डंडोतिया, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता, अनिल गोयल सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री तोमर ने नागरिकों से अपील की कि शहर की सीवर व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए सभी लोग सहयोग करें। विशेष रूप से पशुपालकों से आग्रह किया गया कि वे सीवर लाइन में गोबर न डालें, क्योंकि इससे लाइन जाम होने की समस्या उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुंदर मुरैना के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम को महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी ने भी संबोधित किया।

न्यायपालिका में एआई का इस्तेमाल जरूरी लेकिन इससे डरने की जरूरत नहीं : सूर्यकांत

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कहा कि न्यायपालिका में एआई का इस्तेमाल जरूरी है, लेकिन इससे डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी सिर्फ मददगार हो सकती है, जज की जगह नहीं ले सकती। यह बात उन्होंने शनिवार को बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में कही।

उन्होंने कहा कि ढ्ढ का इस्तेमाल करते समय संतुलन जरूरी है। इससे काम तेज और आसान हो सकता है, लेकिन फैसला हमेशा इंसानी सोच, अनुभव और संवैधानिक समझ से ही होना चाहिए। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों से कहा कि वे ढ्ढ से प्रभावित न हों और अपनी स्वतंत्र सोच बनाए रखें।

यह बयान उन्होंने 'रीइमैजिनिंग द ज्यूडिशियरी इन द एरा ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' विषय पर कर्नाटक स्टेट ज्यूडिशियल ऑफिसर्स एसोसिएशन के सम्मेलन में दिया। इस मौके पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और सुप्रीम कोर्ट के अन्य जज भी मौजूद थे।

सीजेआई ने कहा कि जैसे जज जटिल मामलों में ज्यादा समय, सोच और धैर्य लगाते हैं, वैसे ही ढ्ढ टूल्स का इस्तेमाल भी समझदारी से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सही तरीके से उपयोग करने पर ये टूल्स मदद करेंगे, लेकिन जज का स्वतंत्र निर्णय सबसे जरूरी रहेगा। उन्होंने इसके जोखिमों पर भी चेताया। उन्होंने कहा कि एआई केवल डेटा और एल्गोरिद्म पर काम करता है, उसमें इंसानी समझ, नैतिकता और सामाजिक संदर्भ की समझ नहीं होती। ऐसे में ज्यादा निर्भरता से न्याय प्रक्रिया कमजोर हो सकती है।

ईरान ने एक बार फिर होर्मुज स्ट्रेट को बंद किया

तेहरान। ईरान ने फिर से होर्मुज स्ट्रेट बंद कर दिया है। इसे शुक्रवार को खोला गया था, लेकिन अब इस समुद्री रास्ते पर पाबंदियां लगा दी गई हैं।ईरान ने कहा कि अमेरिका से बातचीत के बाद उसने भरोसे में आकर कुछ तेल और माल ले जाने वाले जहाजों को गुजरने दिया था। लेकिन अमेरिका ने अपने वादे नहीं निभाए और नाकेबंदी के बहाने जहाजों के साथ सख्ती की।

ईरान ने कहा कि यह सीजफायर डील का उल्लंघन है, इसलिए अब होर्मुज से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह सेना के कंट्रोल में होगी। ईरान ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक अमेरिका उसके बंदरगाहों पर लगी नाकेबंदी नहीं हटाता, तब तक वह होर्मुज से जहाजों को गुजरने नहीं देगा।

अमेरिका ने होर्मुज से नाकेबंदी हटाने से इनकार कर दिया है। ट्रम्प का कहना है कि जब तक ईरान अमेरिका के साथ समझौता नहीं करता, तब तक यह जारी रहेगी। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका हर हालत में ईरान के पास मौजूद एनरिच्ड यूरेनियम लेकर रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बातचीत से समझौता नहीं हुआ, तो यह काम और सख्त तरीके से भी किया जा सकता है।इराक जल्द शुरू करेगा तेल निर्यातः कुछ दिनों में सभी फील्ड्स से सप्लाई बहालइराक ने तेल निर्यात को लेकर बड़ी घोषणा की है। देश अगले कुछ दिनों में सभी तेल क्षेत्रों से निर्यात फिर शुरू करेगा।

तेल मंत्रालय के प्रवक्ता साहिब बाजून के मुताबिक, टैंकरों और बड़ी कंपनियों के साथ निर्यात के लिए बातचीत जारी है और सभी कंपनियों के लिए दरवाजे खुले हैं। उन्होंने कहा कि सभी तेल क्षेत्र तैयार हैं और जल्द ही सप्लाई बहाल कर दी जाएगी।इस बीच ट्रांसपोर्ट मंत्रालय ने बताया कि बसरा पोर्ट पर एक बड़ा टैंकर पहुंच चुका है, जो 20 लाख बैरल तेल लोड करेगा। होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने के बाद यह इराक का पहला तेल शिपमेंट होगा।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने 3.15 करोड़ की सीवर सकर मशीन का लोकार्पण किया

फोटो क्रमांक 8

ग्वालियर। सीवर समस्या से आमजनों को मुक्ति दिलाने के लिए विधायक निधि से खरीदी गई सीवर सकर मशीन का लोकार्पण किया। लोकार्पण के बाद सीवर सकर मशीन ने सीवर लाइनों की सफाई का कार्य प्रारंभ कर दिया।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के आव्हान पर ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में शनिवार से सीवर स्वच्छता अभियान शुरू किया गया है। इस अवसर पर सीवर समस्या को दूर करने के लिए 3 करोड़ 15 लाख रुपए कीमत की सीवर सकर मशीन का ऊर्जा मंत्री तोमर ने लोकार्पण किया। यह मशीन ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के लिए उपलब्ध कराई गई है। उप नगर ग्वालियर के

कांच मिल क्षेत्र से इस मशीन ने शनिवार से सीवर लाइनों की सफाई करना शुरू कर दिया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री तोमर ने सीवर सफाई का पूरा शेड्यूल बताते हुए कहा कि 18 अप्रैल से 30 अप्रैल तक किस-किस तारीख को कहां-कहां सफाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आज ग्वालियर की स्वच्छता को नई ऊर्जा प्रदान करते हुए सीवर समस्या के समाधान के लिए ÷सुपर सकर÷ मशीन का शुभारंभ कर इसे नगर निगम को समर्पित किया है। अब आधुनिक तकनीक के माध्यम से सफाई व्यवस्था और अधिक तेज, प्रभावी व सुदृढ़ बनेगी।

इस अवसर पर उन्होंने जन कल्याण समिति को अहम जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि जहां-जहां सीवर सफाई का काम चले, जन कल्याण समिति के लोग इस कार्य की न केवल निगरानी रखें, बल्कि यह सुनिश्चित करें की सीवर सफाई का कार्य सुव्यवस्थित तरीके से हो। इस अवसर पर उन्होंने विधानसभा क्षेत्र में सड़क के किनारे बने अस्थाई अतिक्रमण को स्वयं हटाए जाने का भी आव्हान किया, ताकि आवागमन में किसी तरह की परेशानी ना हो।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने किया शासकीय विद्यालय का औचक निरीक्षण

ग्वालियर । ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को तानसेन नगर स्थित शासकीय बालक माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से चर्चा की और उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्थाओं और विद्यालयीन स्टाफके सम्बन्ध में जानकारी ली। ऊर्जा मंत्री ने विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों से चर्चा की। साथ ही छात्रों से पढ़ाई के बारे में पूछा। ऊर्जा मंत्री तोमर ने विद्यालय के प्राचार्य को निर्देश दिए कि वह पढ़ाई के साथ-साथ स्वच्छता के प्रति छात्रों में जागरूकता लाएं। इस दौरान ऊर्जा मंत्री ने विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए पेयजल व्यवस्था के सम्बन्ध में वाटर कूलर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात उपस्थित प्राचार्य तथा अन्य सहकर्मियों से कही।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने जनसुनवाई में किया जन समस्याओं का निराकरण

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को अपने रेसकोर्स रोड स्थित सरकारी कार्यालय पर आयोजित जनसुनवाई में आमजनों की समस्याओं को सुना और उनके निराकरण के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि हर जरुरतमंद के चेहरे पर खुशहाली लाना प्रदेश सरकार का संकल्प है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने आव्हान किया कि हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि अपने जीवन में स्वच्छता को अपनाएंगे और एक नया स्वस्थ, हरा-भरा, नशा मुक्त समाज बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें अपने शहर को साफऔर सुंदर बनाने के लिए साथ मिलकर अपना सहयोग देना होगा। इस दौरान उन्होंने प्रशासन, नगर निगम, विद्युत विभाग से सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर आवेदक की समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करें।

स्व. राजकुमार बंसल के पंचम पुण्य स्मरण पर निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर 25 को

- सुविख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जमाल यूसुफ करेंगे मरीजों का चेकअप

ग्वालियर। स्व. श्री राजकुमार बंसल जी के पंचम पुण्य स्मरण के अवसर पर निःशुल्क हृदय रोग जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन आगामी 25 अप्रैल शनिवार को किया गया है। यह शिविर किडीज कार्नर स्कूल, गणेश कालोनी, नया बाजार, लश्कर पर आहूत किया गया है। शिविर प्रातः 11 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 3 बजे तक चलेगा। शिविर में मरीजों की जांच कर परामर्श सुविख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ जीबी पंत हास्पीटल नई दिल्ली के डॉ. जमाल यूसुफदेंगे। शिविर के लिये रजिस्ट्रेशन रविवार 19 अप्रैल से प्रारंभ होंगे।

शिविर आयोजक धीरज राजकुमार बंसल ने बताया कि मप्र स्टेट फार्मेसी काउंसिल मप्र शासन के पूर्व सदस्य और नेहरू युवा केन्द्र के पूर्व सदस्य स्व. राजकुमार बंसल जी की 5वीं पुण्यतिथि 25 अप्रैल 2026 शनिवार को है। स्व. बंसल जी के पंचम पुण्य स्मरण पर निःशुल्क हृदय रोग जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया है। स्व. बंसल की स्मृति में निःशुल्क हृदय रोग जांच एवं परामर्श

शिविर का यह चतुर्थ आयोजन है। पिछले आयोजित शिविरों में हजारों मरीज लाभ उठा चुके है। निःशुल्क हृदय रोग जांच एवं परामर्श शिविर के लिये तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। शिविर आयोजक एवं स्व. राजकुमार बंसल जी के सुपुत्र धीरज बंसल ने बताया कि पंचम पुण्य स्मरण पर 25 अप्रैल को प्रातः 10 बजे स्व. राजकुमार बंसल की पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया है। इस सभा में सुविख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ जीबी पंत हास्पीटल नई दिल्ली के डॉ. जमाल यूसुफका उदबोधन होगा। इससे पहले पुष्पांजलि सभा में राजनेता, समाजसेवी, शहरवासी एवं परिवारीजन स्व. बंसल की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद प्रातः 11 बजे निःशुल्क हृदय रोग जांच एवं परामर्श शिविर का शुभारंभ होगा। शिविर में डॉ. जमाल यूसुफ मरीजों की जांच कर परामर्श देंगे। शिविर में ईसीजी, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर जैसी जांचें निःशुल्क की जायेगी।

नगर निगम सीवर व्यवस्था सुधारने के लिए प्रयासरत: निगमायुक्त

ग्वालियर । शहर की सीवर संधारण व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार की अध्यक्षता में नगर निगम की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर की मौजूदा सीवर व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करते हुए इसे दुरुस्त करने के विभिन्न विकल्पों पर विस्तार से चर्चा की गई।

निगम आयुक्त संघ प्रिय द्वारा वर्तमान ठेका प्रणाली की जानकारी दी गई, साथ ही यह भी बताया गया कि यदि सीवर संधारण का कार्य नगर निगम अपने स्तर पर करता है, तो इसके लिए किन-किन संसाधनों जैसे मशीनरी, श्रमिक और अन्य व्यवस्थाओं की आवश्यकता होगी। इसके साथ ही इन व्यवस्थाओं पर आने वाले संभावित खर्च का भी आकलन

किया गया। इसके साथ ही यदि मशीनरी किराए पर लेकर कार्य किया जाए तो कितना खर्च संभावित है इसको लेकर भी चर्चा की गई। निगम आयुक्त संघ प्रिय ने बताया कि नगर निगम लगातार सीवर व्यवस्था सुधारने के लिए प्रयासरत है, ताकि ग्वालियर शहर की सीवर व्यवस्था को स्थायी रूप से सुधार कर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। बैठक में निगम आयुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि पार्षद गण एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा बताई गई समस्याओं को नोट कर उन पर विशेष ध्यान दें और उनके निराकरण के लिए क्या कार्रवाई की जानी है इसकी जानकारी दें।

बैठक में मेयर इन काउंसिल के सदस्य अवधेश कौरव, श्रीमती प्रेमलता धर्मेंद्र जैन, श्रीमती गायत्री मंडेलिया, शकील मंसूरी, पार्षद गिर्राज कंसाना, श्रीमती कमलेश तोमर, श्रीमती अपर्णा पाटील, बृजेश श्रीवास, जितेंद्र मुद्गल, संजीव पोतनीश, मनोज राजपूत, कपिल शर्मा, अंकित कटठल, सुरेश सोलंकी, सुरेंद्र साहू सहित अनेक जनप्रतीनिधि एवं अधिकारी गण उपस्थित थे।

एमपी के शिक्षकों का भोपाल में प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

TET अनिवार्यता के खिलाफ जुटे, मांग पूरी नहीं होने पर जून में बड़े आंदोलन की चेतावनी दी

भोपाल। भोपाल में शनिवार को अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर बड़ा शिक्षकों ने बड़ा प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने एमपी नगर एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर प्रदर्शन को समाप्त किया। आयोजकों के मुताबिक, भोपाल के भेल स्थित दशहरा मैदान में 'मुख्यमंत्री अनुरोध यात्रा' के तहत प्रदेश के अलग अलग जिलों से करीब 50 हजार से ज्यादा शिक्षकों ने भाग लिया। अजाद अध्यापक संघ के अध्यक्ष भरत पटेल ने चेतावनी दी कि अगर मांगें पूरी नहीं हुईं तो जून में फिर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

संयुक्त मोर्चे के संयोजक जगदीश यादव ने कहा कि अगर सरकार परीक्षा लेना ही चाहती है तो शिक्षकों को पढ़ाई के लिए समय दिया जाए और उन्हें जनगणना जैसे कामों में न लगाया जाए। संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने साफ कहा कि पहले से नौकरी कर रहे शिक्षकों को दोबारा शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी ञ्श्वञ्ज देने के लिए मजबूर करना गलत है। उनका कहना है कि नियुक्ति के समय सभी जरूरी योग्यता पूरी की गई थी, ऐसे में 20 से 25 साल की सेवा के बाद नई शर्तें थोपना न्यायसंगत नहीं है।

शिक्षकों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश से 90 से 95 प्रतिशत तक शिक्षक प्रभावित हुए हैं। खासकर वे शिक्षक जो पहले अध्यापक थे और बाद में शिक्षक संवर्ग में शामिल हुए। इन शिक्षकों ने कम वेतन से नौकरी शुरू की थी और आज भी पेंशन, ग्रेच्युटी और सेवा अवधि की गणना जैसे अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। संयुक्त मोर्चा ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार नियुक्ति की मूल तारीख से सेवा की गणना नहीं कर रही है जिससे आर्थिक नुकसान हो रहा है। अब ञ्श्वञ्ज को अनिवार्य करने से उन पर और दबाव बढ़ रहा है और आगे चलकर कम पेंशन और ग्रेच्युटी मिलने का डर भी बना हुआ है। दशहरा मैदान में भारी भीड़ के कारण पंडाल छोटा पड़ गया और कई शिक्षकों को पेड़ों की छांव में बैठना पड़ा। दूर दूर से आए प्रदर्शनकारियों को पुलिस बैरिकेडिंग की वजह से अपने वाहन काफी पहले ही रोकने पड़े और वहां से पैदल ही मैदान तक पहुंचना पड़ा। गौरतलब है कि इससे पहले 8 अप्रैल को जिला स्तर पर और 11 अप्रैल को ब्लॉक स्तर पर भी प्रदर्शन किए गए थे। उसी कड़ी में यह राज्य स्तरीय प्रदर्शन भोपाल में किया गया। आखिर में शिक्षकों ने एमपी नगर एसडीएम एल.के खरे को ज्ञापन सौंपा और अपनी मांगों पर जल्द फैसला लेने की अपील की। इसके साथ ही दिन भर चला यह बड़ा प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हो गया।

5 जरूरतमंद महिलायें बनी शक्ति दीदी

ग्वालियर । जिले में महिला सशक्तिकरण की नई इबारत लिखी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप हुए ÷शक्ति दीदी÷ नवाचार के तहत जरूरतमंद महिलाएँ पेट्रोल पंपो पर फ्यूल डिलेवरी वर्कर

का मोर्चा संभाल कर आत्मनिर्भर बनी हैं। शनिवार को 5 जरूरतमंद महिलायें ÷शक्ति दीदी÷ बनी । जिले में अब तक 112 जरूरतमंद महिलायें शक्ति दीदी नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर हो चुकी हैं।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शनिवार को शहीद गेट बारादरी मुरार स्थित बीपी सेल्स पर सुश्री नीलम मित्तल व सुश्री आशा बाथम को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपी। कलेक्टर ने फूल मालायें पहनाकर दोनों शक्ति दीदियों का स्वागत किया। साथ ही शक्ति दीदी की जैकेट व पहचान पत्र सौंपा। उन्होंने दोनों शक्ति दीदियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप सब आत्मविश्वास के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें। जिला प्रशासन व पुलिस आप सबकी मदद के लिये तत्पर है। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालक को भी निर्देश दिए कि शक्ति दीदियों को कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। इस मौके पर सहायक संचालक महिला बाल विकास राहुल पाठक एवं सहायक जिला आपूर्ति अधिकारी सौरभ जैन भी उपस्थित रहे। इसी तरह गणेश पेट्रोलियम काल्पीब्रिज पर सुश्री नीतू कुशवाह, दर्शन फिलिंग स्टेशन बिरला हॉस्पिटल रोड पर सुश्री रूबी एवं रामजानकी फिलिंग स्टेशन गदाईपुरा पर सुश्री सपना बाथम को विभिन्न अधिकारियों द्वारा शक्ति दीदी के रूप में फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी सौंपी गई।

जीनियर हायर सेकेण्डरी स्कूल का शानदार प्रदर्शन

छात्राओं ने प्रदेश में बनाई विशिष्ट पहचान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की कक्षा 12वीं एवं कक्षा 10वीं (सत्र 2025-26) का परीक्षा के परिणाम घोषित होने पर जीनियस हायर सेकेण्डरी स्कूल, मुरैना के विद्यार्थियों ने जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया है।

स्कूल की छात्रा श्रुति गर्ग ने कॉमर्स संकाय में 97.6 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश में तृतीय स्थान हासिल किया। वैष्णवी शर्मा ने बायोलॉजी संकाय में 97.4 प्रतिशत अंकों से पाँचवां स्थान प्राप्त किया। पारस जैन ने जिला में कॉमर्स संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा 10वीं की छात्रा निशांत यादव ने भी 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए तथा अन्य छात्र-छात्राओं का भी परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। इस सफलता पर स्कूल प्रबंधन, शिक्षक और अभिभावक गदगद हैं। संचालकों व प्राचार्य ने छात्राओं को मेहनत और लगन के लिए बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनायें दीं। प्रबंधन के अनुसार यह उपलब्धि छात्रों की कड़ी मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन का फल है। क्षेत्रवासियों व शिक्षा जगत ने भी छात्राओं को बधाई दी।

साधना सप्ताह के दौरान प्रदेश स्तर पर उच्च शिक्षा विभाग ने हासिल किया दूसरा स्थान

भोपाल। साधना सप्ताह के दौरान मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग ने अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन के नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। ह्लह्लञ्ज पोर्टल पर अधिकतम पाठ्यक्रम पूर्ण करने के मामले में मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा एवं साधना सप्ताह अंतर्गत 10 हजार से अधिक लोक सेवकों की श्रेणी में प्रदेश स्तर पर विभाग ने दूसरा स्थान हासिल किया है। विभाग की इस उपलब्धि पर अब 21 अप्रैल को सिविल सर्विस डे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा विभाग को सम्मानित किया जाएगा। विभाग की तरफ से अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन पुरस्कार ग्रहण करेंगे।

एकात्म पर्व के दूसरे दिन अध्यात्म, पर्यावरण और संस्कृति का एक अनूठा समागम

एक ओंकार की अनुगूँज सर्वप्रथम इसी ओंकारेश्वर की पुण्य भूमि से हुई : महंत दर्शन सिंह

पर्यावरण हमसे अलग नहीं है, अपितु यह हमारा ही एक हिस्सा है : डॉ. बालकृष्ण पिसुपति

सत्य का अनुभव ही वेदांत है : प्रो. रामनाथ झा

आचार्य शंकर का अवतरण लोक कल्याण के लिए हुआ, जिन्होनें राष्ट्र को एक सूत्र में जोड़ा

भोपाल। पुण्य सलिला नर्मदा के पावन तट ओंकारेश्वर में आयोजित 'एकात्म पर्व' के दूसरे दिन अध्यात्म, पर्यावरण और संस्कृति का एक अनूठा समागम देखने को मिला। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास द्वारा आयोजित इस महोत्सव में देश के प्रख्यात संतों और विचारकों ने आदि गुरु शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन की वैश्विक प्रासंगिकता पर गहन विमर्श किया। जहाँ एक ओर गुरुवाणी और वेदांत के साझा सूत्रों को तलाशा गया, वहीं दूसरी ओर प्रकृति को स्वयं का ही विस्तार मानकर उसके संरक्षण का संकल्प दोहराया गया। शाम ढलते ही ओड़िसी और भरतनाट्यम की शास्त्रीय मुद्राओं ने शंकर के कालजयी स्तोत्रों को मंच पर जीवंत कर दर्शकों को एकात्म भाव के आनंदमय रस में सराबोर कर दिया।

आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास द्वारा 17 से 21 अप्रैल तक चल रहे पंच दिवसीय एकात्म पर्व के दूसरे दिन सिख संप्रदाय पर विशेष सत्र हुआ,जिसमें गुरु ग्रन्थ साहिब से लेकर अद्वैत दर्शन की चर्चा हुई। इस सत्र में निर्मल अखाड़ा के महंत दर्शन सिंह ने कहा कि गुरुनानक देव गुरुवाणी का मंगलाचरण अद्वैत से ही करते है। एक ओंकार की अनुगूँज सर्वप्रथम इसी ओंकारेश्वर की पुण्य भूमि से हुई है। उन्होंने कहा कि सभी शास्त्रों के पीछे की मूल शक्ति है एक ओंकार ही है। उन्होंने कहा कि गुरुवाणी में ब्रह्म के अनेक उदाहरण है, ब्रह्म ही इस संसार का आधार है। रामकृष्ण मिशन पर आधारित सत्र में स्वामी जापसिद्धानंद, स्वामी वेदतत्त्वानंद पुरी तथा स्वामी सर्वभद्रानंद ने सहभागिता की। इस सत्र में वक्ताओं ने रामकृष्ण परमहंस के जीवन, उनके अद्वैत दर्शन तथा मिशन की व्यापक भूमिका पर गहन विचार प्रस्तुत किए। स्वामी वेदतत्त्वानंद पुरी जी के अनुसार, रामकृष्ण मिशन को केवल एक संस्था के

चश्मे से देखना इसकी व्यापकता को सीमित करना होगा। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि रामकृष्ण मिशन वास्तव में 'श्री रामकृष्ण और उनके मिशन' का एक जीवंत विस्तार है। उन्होंने अपने विचारों को चार मुख्य स्तंभों, रामकृष्ण परमहंस का जीवन दर्शन, उनके शिष्यों का योगदान, संस्थागत ढांचा और समाज पर प्रभाव, में विभाजित कर प्रस्तुत किया। उन्होंने 'शिव ज्ञाने जीव सेवा' के मंत्र को समझाते हुए कहा कि सेवा केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव में शिव का दर्शन करना है। स्वामी सर्वभद्रानंद ने बताया कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने सन् 1897 में अपने शिष्यों के साथ मिलकर रामकृष्ण आश्रम की स्थापना की। उन्होंने यह भी कहा कि परमहंस जैसे संत विरले होते हैं, जो यह कह सकें कि वे ईश्वर के साक्षात दर्शन करा सकते हैं। स्वामी जापसिद्धानंद ने अद्वैत की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए तोतापुरी बाबा के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार तोतापुरी बाबा ने रामकृष्ण परमहंस को निर्विकल्पता की ओर अग्रसर किया। माँ काली के साकार रूप के कारण ध्यान में आने वाली बाधाओं के बावजूद, अंततः उन्होंने निर्विकल्प समाधि का अनुभव प्राप्त किया। स्वामी जी ने माँ शारदा देवी की पवित्रता का भी उल्लेख किया और बताया कि वे रामकृष्ण परमहंस की प्रथम शिष्या थीं, जिनकी पवित्रता के कारण वे लंबे समय तक समाधि में स्थित रह सके।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम, नई दिल्ली के राष्ट्र प्रमुख डॉ. बालकृष्ण पिसुपति ने अपने वक्तव्य में अद्वैत के श्लोक 'ब्रह्म सत्य जगत मिथ्या' का उदाहरण लेते हुए बताया कि पर्यावरण हमसे अलग नहीं है, अपितु यह हमारा ही एक हिस्सा है इसलिए किसी भी चीज को अलग समझना भ्रम है। उन्होंने कहा कि प्रकृति को बाहरी मानने के कारण ही संकटों की शुरुआत होती है। बालकृष्ण जी ने कहा कि पानी और जीव-जगत किसी सीमा को नहीं मानते, लेकिन मनुष्य ने सदैव उन्हें बाँटने की कोशिश की है। यही सोच पर्यावरण समस्याओं को जन्म देती है। पिसुपति ने कहा कि हम पर्यावरण संसाधनों के मालिक नहीं हैं, बल्कि उसके संरक्षक हैं। उन्होंने बताया कि कैसे सुविधाप्रधान जीवनशैली के कारण पर्यावरण को नुकसान पहुँच रहा है। डॉ बालकृष्ण ने यह भी बताया कि हमें 10,000 साल पुरानी जीवनशैली जीने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि अपने पर्यावरण के प्रति जागरूक होने की जरूरत है। बालकृष्ण ने सलाह देते हुए कहा कि बदलाव की शुरुआत हमें खुद से करनी चाहिए। उसका प्रभाव भले ही कम लगे, परंतु उसका सामूहिक प्रभाव एक बड़ा अंतर ला सकता है। उनसे पूछे गए एक सवाल के उत्तर में उन्होंने स्पष्ट किया कि इस वक्त विश्व के सामने समस्या ये है कि हमारे पास एक समस्या के कई समाधान है और उनमें से किसी एक को चुनना मुश्किल है, क्योंकि हर देश विकास का अपना तरीका चुनता है। सौर गांधी के नाम से प्रसिद्ध चेतन सिंह सोलंकी ने अद्वैत एवं पर्यावरण विषय पर बोलते हुए कहा कि विज्ञान प्रगति कर रहा है परंतु पृथ्वी का आकार, संसाधन नहीं बढ़ रहा है और मनुष्य निरंतर मिट्टी, जल , हवा दूषित कर रहा है। ह्व के नियमों को किस तरह से अद्वैत से जोड़ सकते है जिससे सब के लिए समान नियम बने जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न वक्ताओं से पूछे और साथ ही उन्होंने कहा कि हम कुछ न करके भी पर्यावरण को सुरक्षित कर सकते है। उन्होंने कहा हमारी जरूरतें बढ़ रही है परन्तु पृथ्वी सीमित है इसलिए हमारी जरूरतें सीमित होनी चाहिए।

स्कूलों में बच्चों को बंटने आई सैंकड़ों साइकिलों का सामान जलकर राख

– चीनोर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की घटना

ग्वालियर। शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को शासन की ओर से दी जाने वाली साइकिलों का सामान जलकर राख हो गया। यह घटना ग्वालियर जिले की तहसील चीनोर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में दरम्यानी रात घटी। आगजनी की इस घटना से शिक्षा विभाग और जिला शिक्षा केन्द्र में हड़कंप मच गया। आनन फानन में कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान के निर्देशन में जांच पड़ताल कर घटना से संबंधित के खिलाफ पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

चीनोर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में ठेकेदार द्वारा साइकिलों की असेंबलिंग का काम चल रहा था। बड़ी मात्रा में टायर, फ्रेम और अन्य पार्ट्स खुले में जमा किए गए थे। अचानक लगी आग से

लगभग सौ साइकिल जल गई और कुछ साइकिलों का सामान चंद मिनटों में खाक हो गया, जिससे लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान है। घटना की सूचना पर एसडीएम राजीव समाधियां मौके पर पहुंचे और संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार से जानकारी ली। उन्होंने जांच के उपरांत दोषी ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिये कहा है। एसडीएम राजीव समाधिया ने बताया कि आग लगने से स्कूल में रखी सैंकडों साइकिलों का सामान जला हैं। हालांकि यहां 800 साइकिलों का असेंबल होना था। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और विद्यालय प्रबंधन से भी जांच कराई जा रही है। जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी। साइकिलों की गुणवत्ता और स्कूल परिसर में उनकी असेंबलिंग पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आगजनी की घटना की रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी ने कलेक्टर को सौंपी

जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी ने बताया कि शासकीय उ.मा.वि चिनौर में आग लगने से स्कूल में रखी तकरीबन 100 साइकिलों के पार्ट्स जलकर खराब हो गए थे। घटना की विस्तृत रिपोर्ट कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान को सौंपी गई है। शासकीय उ.मा.वि चिनौर में 800 साइकिलों को एसेंबल करने का कार्य किया जा रहा था, तभी रात करीब 3 बजे शार्ट सर्किट से आग लग गई। इससे स्कूल में रखे साइकिलों के पार्टस जल गए हैं। इस घटना की रिपोर्ट चिनौर थाने में दर्ज कराई गई है।

बीएसएफजवान की बेटी ने ही भाई के साथ मिलकर रची थी लूट की कहानी

ग्वालियर। बहोड़ापुर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई लूट की कहानी सायं होते होते सुलझ गई। बीएसएफ जवान की बेटी ने अपने भाई और भाई के दोस्त के साथ मिलकर लूट की साजिश रची थी। लूट की वारदात बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के एटीएम तिराहे के पास होने की सूचना पर पुलिस सक्रिय हुई और जब इलाके में लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज देखे तो लूट की वारदात की पूरी कहानी का खुलासा हो गया। पुलिस ने देर सायं तक लूटा गया सोना बरामद कर लिया है। पुलिस मामले की तह तक जाने के लिये फरियादिया और उसके भाई से पूछताछ कर रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक पुरानी छावनी निवासी शेजू सिकरवार ने शनिवार की दोपहर पुलिस को सूचना दी थी कि जब वह दोपहर करीब 1 बजे बहोड़ापुर तिराहे स्थित केप्री लोन्स बैंक से सोना लेकर आईआईएफएल

फाइनेंस कंपनी में लोन के लिए जमा कराने जा रही थीं। तभी दो नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाकर करीब 10 तोला सोने के जेवरों से भरा बैग लूट लिया। शेजू ने पुलिस को बताया था कि लूटे गए गहनों की कीमत करीब 15 लाख रुपए है ओर ये जेवर शेजू सिकरवार और उनकी मां प्रिया सिकरवार के थे। लूट की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मामले की गंभीरता को देखते हुये मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की और इलाके में लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज देखे तो पूरी लूट की वारदात का खुलासा हो गया।

पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि शेजू ने ही अपने भाई कार्तिक सिकरवार और भाई के दोस्त आकाश सेन के साथ लूट की झूठी कहानी रची थी। पुलिस ने सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज देखने के बाद शेजू सिकरवार से पूछताछ कर उसके भाई और दोस्त को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ के बाद सोने के जेबरात बरामद कर लिये है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि शेजू के पिता अरविंद सिंह सिकरवार बीएसएफ में पदस्थ हैं और वर्तमान में बंगाल में तैनात हैं।

गरीबों का अनाज घरों से ज्यादा व्यापारियों के गोदामों में पहुंच रहा

– पर्चीधारी कंट्रोल संचालक से इस एवज में नगदी प्राप्त कर रहे

ग्वालियर। पीडीएस सार्वजनिक वितरण प्रणाली का भी हाल निराला है। लोगों ने इस व्यवस्था पर भी कब्जा कर लिया है। आलम यह है कि गरीबों को मिलने वाला निःशुल्क अनाज व्यापारियों के गोदामों में पहुंच रहा हैं। जबकि इस एवज में पर्चीधारी पात्र गरीब लोग कंट्रोल संचालक से नगदी प्राप्त कर रहे है। सूत्र बताते है कि एक माह की एक पर्ची पर पर्चीधारी को 200 रूपये तथा दो महीने पर 500 रूपये तक मिल रहे है। अर्थात वह पर्चीधारी पीडीएस कंट्रोल संचालकों से रूपये लेकर औने पौने दामों में अपने हिस्से का आज दे जाते है। केवल रूपये लेकर जा रहे है।

उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा पात्र गरीबों के लिये मुफ्त या फिर रियायती दरों पर अनाज मुहैया कराया जाता है। जिससे गरीबों का भरण पोषण हो सकें। यह अनाज हर माह शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में पीडीएस प्रणाली द्वारा बांटा जाता है। इसके लिये केवल गरीबों को पीडीएस के तहत पात्रता पर्ची पाने का अधिकार है। लेकिन शहर में तमाम संभ्रांत लोगों ने भी यह पात्रता पर्ची प्राप्त कर ली है, जो अपने हिस्से का मिलने वाला अनाज गेंहू, चावल, चना आदि को औने पौने दामों में कंट्रोल संचालक को बेच देते है। जबकि यह गरीबों का अनाज व्यापारियों के गोदामों में पहुंच रहा है। यह जानकारी कंट्रोल संचालक से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को भी है और जब जब जिलों में प्रशासन ने छापामार कार्रवाई की है तब तब शासकीय उचित मूल्य की दुकानों का राशन टनों में मिला है। फिर भी कंट्रोल की दुकानों से मिलने वाला गरीबों का अनाज मिल और गोदामों में धड़ल्ले से जा रहा है। यही वजह है कि इन दिनों पात्रता पर्ची के लिये अधिकारी और राजनेताओं के बंगलों पर मारामारी हो रही है। हर कोई अपनी अपनी जुगाड़ तुगाड़ में लगकर पीडीएस की पर्ची प्राप्त करना चाहता है।

नौकरी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी पकड़ा

ग्वालियर। सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म और शोषण करने वाले आरोपी को हजीरा थाना पुलिस ने उस वक्त दबोच लिया, जब वह ग्वालियर से फरार होने की फिराक में था। पुलिस ने दुष्कर्मी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अभी इस मामले में पकड़े गए आरोपी का भाई फरार है और उस पर महिला की मारपीट सहित धमकाने का मामला दर्ज है।

हजीरा थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि पीएचई कॉलोनी निवासी 25 वर्षीय महिला को सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर लूटपुरा निवासी करण धाकड़ ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था और जॉब का झांसा देकर उसका शोषण कर रहा था। इसी बीच आरोपी के भाई सन्नी धाकड़ ने महिला के कमरे पर आकर उसकी मारपीट की थी और भाई से बात नहीं करने की धमकी दी थी। इस मामले में पुलिस ने करण के खिलाफ दुष्कर्म और उसके भाई सन्नी के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया था। मामला दर्ज होते ही आरोपी फरार हो गए थे। इसके बाद से ही एसआई सुमन सिंह और प्रधान आरक्षक अनिल गुप्ता की टीम आरोपी की तलाश में लगी थी। इसी बीच पता चला कि आरोपी अपने घर आने वाला है और कुछ ही देर में वह शहर से फरार हो जाएगा। इसका पता चलते ही पुलिस ने घेराबंदी की और आरोपी करण को दबोच लिया है।

गांजा बेच रही महिला तस्कर पकड़ी

ग्वालियर। गांजा बेच रही एक महिला तस्कर को महाराजपुरा थाना पुलिस ने महादेव मंदिर के पास बेहटा बड़े गांव जाने वाले रास्ते से पकड़ा है। पकड़ी गई महिला तस्कर से पुलिस ने सात सौ ग्राम गांजा बरामद किया है।

सीएसपी महाराजपुरा नागेन्द्र सिंह सिकरवार ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक महिला तस्कर महादेव मंदिर के पास बेहटा बड़े गांव जाने वाले रास्ते पर गांजा बेचती है। सूचना मिलते ही महाराजपुरा थाना प्रभारी यशवंत गोयल को तस्कर को पकडने के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही पुलिस की टीम ने महिला तस्कर की तलाश शुरू की। पुलिस ने दो दिन की तलाश के बाद महिला तस्कर की जानकारी जुटाई और महादेव मंदिर के पास से उसे गुलाबी रंग के सलवार सूट में उसे धर दबोचा। पुलिस ने महिला तस्कर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना नाम बबीता सहरिया पत्नी मुकेश सहरिया उम्र 46 वर्ष निवासी ग्राम सिंगवासी मावन टंकी के पास गुना हाल निवासी भीम नगर थाटीपुर बताया। पुलिस ने महिला तस्कर के पास से 700 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस अब पकड़ी गई महिला तस्कर से पूछताछ के बाद इसके पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी है।

सवारी वाहनों में जेबकटी और चोरी की वारदात रोकने पुलिस ने खाली कराई झुग्गी

ग्वालियर। शहर में हो रही सवारी वाहनों में चोरी की वारदातों को रोकने के लिए पुलिस ने कमर कसना शुरू कर दिया है। बीते रोज यातायात पुलिस ने शहर भर में सवारी वाहन चालकों को समझाइश दी, तो रात में उन स्थानों पर पहुंची, जहां पर चोर गिरोह के सदस्य झुग्गी झोपड़ी बनाकर रहते हैं और वारदात के बाद यहां से निकल जाते हं। गोला का मंदिर पुलिस ने शर्मा फार्म और कटारे फार्म में ऐसे ही झुग्गी बनाकर रहने वालों पर कार्रवाई की।

गौरतलब है कि हाल ही में शहर में सवारी वाहनों में जेबकटी, चोरी की घटनाएं बढ़ गई है। चोर गिरोह वारदात के बाद गायब हो जाते थे। पुलिस ने जब सीसीटीवी से इनका रूट तैयार किया तो पता चला कि यह गिरोह दूसरे शहरों, राज्यों से आकर यहां पर झुग्गी झोपड़ी में ठिकाना बनाते हैं और वारदातों को अंजाम देकर निकल जाते हैं। इसके चलते एएसपी अनु बेनीवाल ने बीते रोज शहर के उन हिस्सों में अभियान चलाया और ऐसे लोग जो बाहर आकर शहर की सरकारी जमीनों पर झुग्गी बनाकर रह रहे थे। उन्हें पुलिस ने यहां से खदेड़ दिया। साथ ही चेतावनी दी कि अब शहर में न रूकें, अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार को शहर भर में यातायात पुलिस ने सवारी वाहनों में वारदात रोकने के लिए इन वाहन चालकों को समझाइश दी और शंका होने पर पुलिस को सूचना देने के लिए समझाइश दी। जिससे वारदात से पहले ही यह आरोपी पकड़े जा सकें। दो दिन पहले एक बुजुर्ग की जेबकाट कर तीस हजार रुपए ले गए थे। इनकी पड़ताल की तो पता चला कि यह कन्नौज के थे और कटारे फार्म में कुछ दिन झुग्गी बनाकर रूके थे। इससे पहले भी आगरा का एक गिरोह इसी तरह आकर ठहरा था और वारदात के बाद गायब हो गया।

अटेंडर ने डॉक्टर से की अभद्रता, दी धमकी

ग्वालियर। मरीज का उपचार कराने के लिए आए अटेंडर ने डॉक्टर से अभद्रता कर जान से मारने की धमकी देकर चला गया। घटना गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के बिरला अस्पताल की है। घटना का शिकार पीड़ित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

गोला का मंदिर निवासी अभिषेक चौहान पुत्र राकेश चौहान डॉक्टर है और अभी बिरला अस्पताल में पदस्थ है। बीते रोज वह मरीजों को देख रहे थे, तभी वहां पर रामनिवास पाल नामक युवक अपने मरीज को दिखाने के लिए लेकर आया। मरीज दिखाने के नाम पर वह हंगामा करने लगा। जब डॉक्टर ने उसे समझाने का प्रयास किया तो उसने डॉक्टर से अभद्रता कर जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। घटना का शिकार पीड़ित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

तीन महीने से इंस्टाकार्ट कंपनी का डिलीवरी बॉय लापता

– लेकर निकला था 28 पार्सल, पार्सल में आई फोन की जगह पत्थर निकले

ग्वालियर। पिछले तीन माह से इंस्टाकार्ट कंपनी का डिलीवरी बॉय लापता है। वह 28 पार्सल लेकर निकला था, लेकिन उसके बाद लौटा नहीं। उसने 16 पार्सल डिलीवर किए थे, 5 सही मिले, जबकि 7 पार्सल में आई फोन की जगह पत्थर पाए गए। सातों आईफोन की कीमत 10 से 11 लाख रुपए बताई जा रही है। क्राइम ब्रांच ने डिलीवरी बॉय के खिलाफ16 अप्रैल को धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कंपनी के टीम लीडर राजकुमार शर्मा ने बताया कि इंस्टाकार्ट डिलीवरी कंपनी में ध्रुव सेम पुत्र रामेश्वर सेम पार्सल डिलीवरी बॉय है। 21 जनवरी को सुबह करीब 8 बजे वह सिल्वर इस्टेट स्थित ऑफिस से 28 पार्सल लेकर निकला था, लेकिन शाम तक नहीं लौटा। जानकारी लेने पर पता चला कि ध्रुव ऑफिस में अपना डिलीवरी बैग और शिपमेंट रखकर चला गया था। टीम ने उसे फोन किया, लेकिन फोन बंद था। उसी दिन रात 9 बजे बैग चेक करने पर पता चला कि 28 में से 16 पार्सल उसने डिलीवर किए थे। 5 पार्सल सही सलामत मिले थे। बाकी 7 पार्सल, जिनमें एपल कंपनी के मोबाइल थे, उनमें मोबाइल की जगह पत्थर मिले। इससे स्पष्ट है कि ध्रुव ने कंपनी के साथ धोखाधड़ी की है। टीम लीडर राजकुमार शर्मा के मुताबिक घटना के समय ही पुलिस को सूचना दी गई थी और अपने स्तर पर डिलीवरी बॉय की तलाश की जा रही थी। इसके बावजूद वह लापता रहा। जब उसका पता नहीं चला तो कंपनी ने 16 अप्रैल को क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

बंदी पेरोल जंप कर फरार, मां-बेटे के खिलाफ मामला दर्ज

ग्वालियर। हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा बंदी पेरोल जंप कर फरार हो गया। घटना केंद्रीय जेल की है। बंदी जब नियत समय के बाद भी जेल वापस नहीं आया तो जेल प्रबंधन ने उसकी जानकारी जुटाई, लेकिन उससे संपर्क नहीं हुआ तो मामले की शिकायत पुलिस से की। बहोड़ापुर थाना पुलिस ने बताया कि दीपक उर्फ डब्बू पुत्र मुरारी लाल शर्मा निवासी विरगांव पावई जिला भिण्ड को हत्या के मामले आजीवन कारावास की सजा हुई थी। इस मामले में भिण्ड से सुरक्षा कारणों के चलते वर्ष 2023 में उसे ग्वालियर केंद्रीय जेल लाया गया था। इसके बाद से ही वह जेल में सजा काट रहा था। एक अप्रैल को उसे व उसकी मां ओमवती पत्नी मुरारी लाल शर्मा को जमानत पर पेरोल पर छोड़ा गया था। 16 अप्रैल को उसे पेरोल से वापस आकर जेल पहुंचना था। नियत समय पर जब वह वापस नहीं आया तो जेल प्रबंधन ने उससे संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन संपर्क नहीं हुआ तो जमानतदार से बात करने का प्रयास किया, लेकिन उनसे भी संपर्क नहीं हुआ तो मामले की सूचना बहोड़ापुर थाने को दी। जिस पर बहोड़ापुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

जन्मदिन पार्टी में फायरिंग करने वाला पकड़ा

ग्वालियर। जन्मदिन पार्टी पर तमंचे से फायर कर रील बनाकर सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर उसे वायरल करने वाले आरोपी को पिछोर थाना पुलिस ने ग्राम चिरूली से पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक 315 बोर का देशी कट्टा व एक जिंदा राउंड बरामद किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बीते दिनों सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिये थे कि सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ थाना प्रभारी सख्त कार्रवाई करें। जिसके परिणाम अब सामने आने लगे है।

एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बीते दिनों सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया था कि लायसेंसी शस्त्रों के दुरुपयोग करने वालों एवं सोशल

मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जायें। एसएसपी के निर्देश मिलते ही थाना प्रभारियों ने कार्रवाई शुरू की और पिछोर थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर एक युवक द्वारा जन्मदिन के दौरान केक काटते समय देशी कट्टे से हवाई फायर करने का वीडियो वायरल करने वाले को धर दबोचा। एसडीओपी डबरा सौरभ कुमार ने बताया कि 18 अप्रैल को उन्हें जरिये मुखबिर सूचना मिली थी कि तमंचे से फायर कर रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने वाला युवक ताल की पार बेरिया रोड पर बैठा हुआ है। सूचना मिलते ही उन्होंने पुलिस की टीम को मौके पर भेजा। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर युवक को धर दबोचा और जब उससे पूछताछ की तो उसने अपना नाम जाहिद खान पुत्र निवाजी खान उम्र 20 साल निवासी ग्राम चिरुली थाना पिछोर बताया। पुलिस ने आरोपी के पास से एक 315 बोर का देशी कट्टा व एक जिंदा राउंड बरामद किया है।

मोबाइल अपडेट होते ही खाते से दो लाख पार

ग्वालियर। मोबाइल अपडेट होते ही एक फैक्ट्री कर्मचारी के खाते से दो लाख रुपए साइबर ठगों ने निकाल लिए। घटना महाराजपुरा थाना क्षेत्र के जनकपुरी आदित्यपुरम में छह मार्च की है। घटना का पता चलते ही पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस की साइबर हेल्पलाइन नंबर पर की। जिसके बाद महाराजपुरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

महाराजपुरा थाना क्षेत्र के जनकपुरी आदित्यपुरम निवासी ओमनारायण वर्मा पुत्र श्रीदयाल वर्मा मालनपुर स्थित एक कंपनी में कर्मचारी है। बीती छह मार्च को उनका मोबाइल अचानक अपडेट होने लगा। कुछ देर बाद जब मोबाइल दोबारा रिस्टार्ट हुआ तो उनके मोबाइल पर रूपये निकलने के मैसेज आने लगे। मैसेज देखतेद ही वह बैंक पहुंचे और जानकारी की तो पता चला कि उनके मोबाइल से ऑनलाइन रूपये ट्रांसफर हुए है। इसका पता चलते ही उन्होंने खाता ब्लॉक कराया और पुलिस की हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत की। शिकायत पर जीरो पर एफआईआर होकर महाराजपुरा थाना पहुंची, जिस पर महाराजपुरा थाना पुलिस ने कायमी कर ली है।

पहाड़ियों को हरा-भरा कर पर्यटन की दृष्टि से किया जायेगा विकसितः कलेक्टर

ग्वालियर। शहर के आसपास स्थित पहाड़ियों को हरा-भरा बनाने के साथ-साथ नागरिकों के लिये पर्यटन के रूप में विकसित करने का कार्य किया जायेगा। इसके साथ ही इन पहाड़ियों को अतिक्रमण मुक्त रखने तथा अवैध उत्खनन को सख्ती के साथ रोकने का कार्य भी किया जायेगा। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से किए जा रहे इस कार्य में शासन-प्रशासन के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों का सहयोग भी लिया जायेगा। यह बात कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शनिवार को हुई बैठक में कहीं।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि ग्वालियर के आसपास की पहाड़ियों को हरा-भरा और पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिये सर्वप्रथम पहाड़ियों का चयन किया जाए। इसके साथ ही वन विभाग, नगर निगम एवं अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों के साथ मिलकर इन पहाड़ियों पर वृहद वृक्षारोपण का कार्य किया जायेगा। इसके लिये एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जायेगी। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि पहाड़ियों पर अतिक्रमण न हो, इसके साथ-साथ अवैध उत्खनन को भी सख्ती के साथ रोका जायेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि जिला प्रशासन एवं नगर निगम के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग से जिस प्रकार आनंद पर्वत, हरि पर्वत को विकसित करने का कार्य किया गया है। उसी तर्ज पर चिन्हित पहाड़ियों को भी विकसित करने का कार्य किया जायेगा। बैठक में तय किया गया कि पहाड़ियों को हरा-भरा बनाने के लिये गठित समिति की बैठक 15 दिन में आयोजित की जायेगी। इसके लिये वन विभाग, नगर निगम एवं अन्य विभाग के अधिकारियों को समय-सीमा में कार्ययोजना तैयार करने के दिशा-निर्देश दिए गए। आगामी बैठक में कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की जायेगी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से ग्वालियर के आसपास की पहाड़ियों को हरा-भरा करना बहुत ही महत्वपूर्ण अभियान है। इस अभियान में सभी लोग मिलकर कार्य करेंगे तो सार्थक परिणाम सामने आयेंगे। पुलिस विभाग के माध्यम से भी सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित की जायेगी। निगम आयुक्त संघ प्रिय ने कहा कि नगर निगम के माध्यम से शहर भर में वृक्षारोपण का विशेष कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्वालियर के आसपास की चिन्हित पहाड़ियों को भी हरा-भरा करने का सार्थक प्रयास निगम के माध्यम से किया जायेगा। इस पुनीत अभियान में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी हो इसके लिये भी विशेष प्रयास किए जायेंगे। बैठक में डीएफओ गौरीशंकर दुबे, एडीएम सीबी प्रसाद, अपर आयुक्त नगर निगम प्रदीप तोमर, न्यायिक सेवा के धर्मेन्द्र रिछारिया, एमडी आयुर्वेद प्रशांत शर्मा, उच्च न्यायालय के शासकीय अभिभाषक रविन्द्र दीक्षित व वरिष्ठ वैज्ञानिक कृषि विश्वविद्यालय डॉ. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह, अतिरिक्त महाधिवक्ता विवेक खेडकर व वरिष्ठ वेटनरी सर्जन आशुतोष गुप्ता उपस्थित थे।

परिवार से नाराज होकर गई छात्रा राजस्थान में मिली

ग्वालियर। माता-पिता की डांट से नाराज छात्रा घर छोडक़र चली गई। घटना आरोन थाना क्षेत्र की है। छात्रा के गायब होने का पता चलते ही परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन पता नहीं चला तो पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने छात्रा की तलाश की और 48 घंटे के अंदर ही छात्रा को राजस्थान से बरामद कर लिया है।

आरोन निवासी एक नाबालिग छात्रा दो दिन पहले लापता हो गई थी। छात्रा के लापता होने का पता चलते ही परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। छात्रा का पता नहीं चलने पर परिजन थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने शिकायत पर अपहरण का मामला दर्ज कर लिया। इसी बीच पुलिस को पता चला कि नाबालिग राजस्थान के बूंदी में हैं। इसका पता चलते ही पुलिस बूंदी पहुंची और नाबालिग को बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि वह अकेली ही घर से माता-पिता की डाट से नाराज होकर गई थी।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने विशेष दल गठित

ग्वालियर। जिले में अक्षय तृतीया 19 और 20 अप्रैल के अवसर पर बाल विवाह की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन ने पुख्ता तैयारी की है कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देशन में पूरे जिले में व्यापक और सख्त व्यवस्थाएं लागू की गई हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती उपासना राय ने बताया कि बाल विवाह की सूचना देने और निगरानी के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। नागरिक 0751-2990969 पर तत्काल सूचना दे सकते हैं। यह कंट्रोल रूम 24 घंटे संचालित रहेगा। साथ ही संदिग्ध मामलों पर त्वरित कार्रवाई के लिए विशेष निगरानी दलों (फ्लाइंग स्क्वाड) का गठन भी किया गया है। जिले के सभी धार्मिक स्थलों, मैरिज गार्डन और सामुदायिक केंद्रों पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और पर्यवेक्षकों को उन परिवारों की सूची बनाने के निर्देश दिए गए हैं, जहाँ बाल विवाह की संभावना है। साथ ही, स्कूल छोड़ चुके (ड्रॉपआउट) बच्चों की विशेष रूप से ट्रैकिंग की जा रही है।

विश्व विरासत दिवस पर मोतीमहल में प्रदर्शनी आयोजित

ग्वालियर। विश्व विरासत दिवस के अवसर पर मोतीमहल में ÷हमारी धरोहर- हमारी पहचान÷ विषय को लेकर मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों के पर्यटन स्थलों की छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई। आमजन प्रदर्शनी को 7 दिनों तक निःशुल्क दे सकेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जितेन्द्र शर्मा, प्राचार्य, पं. श्यामचरण उपाध्याय महाविद्यालय मुरैना एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. मनोज अवस्थी, विभागाध्यक्ष माधव महाविद्यालय द्वारा दीप प्रज्वल्लित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उपसंचालक पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय म.प्र. उत्तरी क्षेत्र पी.सी. महोबिया द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया।

मोतीमहल में पुरातत्व के प्रति छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं आमजनों में जागरूकता, जन-जागृति एवं अभिरुचि लाने के लिए यह प्रदर्शनी आयोजित की गई है। प्रदर्शनी में जिनमें विश्व धरोहर स्थल खजुराहो

मंदिर समूह, साँची स्तूप, भीमबेटका, ताजमहल, लाल किला, एलोरा की गुफाएं के साथ ही म.प्र. के प्राचीन किले, महल, गढ़ी, प्राचीन बावड़ियाँ, शैलचित्र, प्रतिमायें, पेंटिंग्स, सिक्के, छत्रियाँ एवं पाण्डुलिपि के छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। प्रदर्शनी देखने आए आमजनों, छात्र-छात्राओं को पुरातत्विक धरोहर को सहेजने, प्राचीन धरोहर, प्राचीन परम्पराओं आदि को सुरक्षित रखने के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर मुकेश गाड़रे, वकार हुसैन रिजवी, संतोष बाथम, संतोष वर्मा, गिरिराज एवं चन्दन सिंह परिहार आदि उपस्थित रहे।

अग्नि सुरक्षा संसाधनों की जांच एवं उपयोग का प्रशिक्षण दिया

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा अग्निशमन सेवा सप्ताह 2026 के उपलक्ष पर नोडल अधिकारी रजनीश गुप्ता के निर्देशन में केसर टावर रेसकोर्स रोड में आने वाले समस्त नागरिकों की सुरक्षा की दृष्टि से केसर टावर में स्थापित अग्निशमन उपकरणों एवं संसाधनों की जांच एवं उनके उपयोग हेतु स्टाफको प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में नगर निगम के फायर ऑफिसर उमंग प्रधान, सहायक फायर ऑफिसर जोगेंद्र सिंह एवं केशर टावर के फायर एंड सेफ्टी मैनेजर भास्कर शर्मा उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय शिवहरे वैश्य समाज नागपुर की कार्यकारिणी समिति ने किया मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

परी रामजी शिवहरे 92 प्रतिशत

आर्यन आलोक शिवहरे 98 प्रतिशत

आराध्य राहुल गुप्ता 95 प्रतिशत

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–
नागपुर। अखिल भारतीय शिवहरे वैश्य समाज नागपुर की कार्यकारिणी समिति द्वारा कक्षा 10वीं सीबीएससी में उत्तीर्ण शिवहरे समाज के विद्यार्थियों के घर जाकर जयश्री राम का दुपट्टा, पुष्पगुच्छ तथा मिठाई के साथ अभिनंदन किया गया तथा उनके परिजनों को बधाई दी। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि हमारे समाज के विद्यार्थियों ने जिस तरह सीबीएसई बोर्ड 10वीं की परीक्षा में अच्छे अंक लाकर जो शानदार प्रदर्शन किया है वह प्रशंसनीय है। निश्चित रूप से समाज के विद्यार्थियों ने समाज व देश का नाम रोशन किया है, जिसके लिए ये सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि हम आशा करते हैं कि इन विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल हो तथा वे भविष्य में इसी तरह अच्छे अंक प्राप्त कर समाज का नाम रोशन करते रहें।

आशी रजनीश शिवहरे 94 प्रतिशत

संत कबीर के 'बुदबुदे' से एआई के 'एल्गोरिदम' तक

–दिनेश चंद सागर–

कबीर की शाश्वत प्रासंगिकता

भारतीय सांस्कृतिक दर्शन के इतिहास में संत कबीर दास जी ऐसे 'क्रांतिकारी कवि' हैं, जिनकी वाणी समय की सीमाओं को लांघकर सदैव वर्तमान प्रतीत होती है। जब हम उनके प्रसिद्ध सूत्र– 'साँई केरा बुदबुदा, अस मानुस की जात' –पर विचार करते हैं, तो यह केवल एक आध्यात्मिक चेतावनी मात्र नहीं रह जाता, बल्कि यह अस्तित्ववाद (Existentialism) का एक ऐसा दर्शन बन जाता है जो आज के एआई-संचालित (AI-driven) और सोशल मीडिया-व्यसनी समाज के लिए एक अनिवार्य 'कन्फेशन' है।

कबीर का साहित्य 'सत्य' की नग्नता का साहित्य है। वे किसी अलंकार के पीछे छिपकर बात नहीं करते, बल्कि यथार्थ के मर्म पर प्रहार करते हैं। आज जब मानवता 'चतुर्थ औद्योगिक क्रांति' (Industry 4.0) के मुहाने पर खड़ी है, तब कबीर का वह 'बुदबुदा' (Water Bubble) हमारे 'डिजिटल डेटा' और 'वर्चुअल आइडेंटिटी' का प्रतीक बनकर उभरा है।

खंड 1: क्षणभंगुरता का शास्त्रीय और साहित्यिक परिप्रेक्ष्य

साहित्यिक दृष्टि से 'बुदबुदा' एक उत्कृष्ट रूपक (Metaphor) है। संस्कृत साहित्य में 'बुदबुदवत्' शब्द का प्रयोग संसार की अनित्यता को दर्शाने के लिए किया गया है। कबीर ने इसी परंपरा को लोकभाषा में ढाला।

उपनिषदों की गूँज: 'ईशावास्योपनिषद' जिस 'हिरण्मयेन पात्रेण' (स्वर्ण पात्र से ढका सत्य) की बात करता है, कबीर उसे 'माया' कहते हैं। आज वह स्वर्ण पात्र हमारी 'एलईडी स्क्रीन्स' (रुक्षष्ठ स्फ्द्धद्रठ्ठ्य) हैं, जिन्होंने सत्य को अपनी चमक से ढँक रखा है।

शून्यवाद और कबीर: कबीर का दर्शन शून्यवाद के निकट है। वे कहते हैं कि जिसे हम 'स्व' समझ रहे हैं, वह शून्य में विलीन होने वाला एक क्षणिक उभार है। मध्यकालीन साहित्य में जायसी और तुलसी ने भी संसार की नश्वरता पर लिखा, परंतु कबीर की विशिष्टता उनकी 'कठोरता' में है। वे 'बुदबुदा' कहकर मनुष्य के अहंकार को उसकी औकात याद दिलाते हैं।

खंड 2: डिजिटल वर्ल्ड और 'आभासी माया' का विस्तार

आज का 'डिजिटल वर्ल्ड' माया का सबसे परिष्कृत रूप है। कबीर ने जिस माया को 'महाठगिनी' कहा था, आज वह 'एल्गोरिदम' के रूप में हमारे व्यवहार को नियंत्रित कर रही है।

एक आधुनिक कोल्हू: साहित्यिक रूप से देखें तो आज का मनुष्य 'स्वयं के प्रतिबिंब' का कैदी है। हम सोशल मीडिया पर अपनी जो छवि निर्मित करते हैं, वह भी एक 'डिजिटल बुदबुदा' ही है। हम अपनी संकीर्ण 'लाइक्स' और 'व्यूज' की दुनिया में इतने मशगूल हैं कि वास्तविक जीवन के 'मानसरोवर' को भूल चुके हैं। यह एडिक्शन कबीर के उस 'मृग' की तरह है जो कस्तूरी (शांति) को बाहर खोज रहा है, जबकि वह उसके अपने ही भीतर है।

एआई और 'भ्रम' का साम्राज्य: एआई (AI) और डीपफेक तकनीक ने 'सत्य' और 'आभास' के बीच के अंतर को समाप्त कर दिया है। कबीर का 'असमंजस' आज यही है– 'क्या जो हम देख रहे हैं, वह सत्य है?' जब एआई इंसानी भावनाओं की नकल करने लगे,तब कबीर की वह 'पारख' (Discernment) अत्यंत आवश्यक हो जाती है, जो हंस की तरह दूध और पानी को अलग कर सके।

खंड 3: साइबर सुरक्षा और आध्यात्मिक विवेक

आज के दौर में 'डिजिटल अरेस्ट' और 'साइबर फ्रॉड' जैसे खतरे केवल तकनीकी खामियां नहीं हैं, बल्कि ये मानवीय लालच और भ्रम का परिणाम हैं। कबीर का साहित्य हमें 'सहजता' सिखाता है। यदि हम 'सहज' हों, तो किसी भी प्रकार का प्रलोभन (Phishing/Scams) हमें प्रभावित नहीं कर सकता।

कबीर की 'उलटबांसियां' आज के डिजिटल इन्क्रिप्शन (Encryption) की तरह हैं। वे कहते हैं, 'एक अचंभा देखा रे भाई, ठाढ़ा सिंह चरावै गाई।' आज का अचंभा यह है कि एक सॉफ्टवेयर (AI) इंसान को नियंत्रित कर रहा है। 'सिंह' (बुद्धि) अब 'ग़ाय' (डेटा/उपयोगकर्ता) के पीछे नहीं, बल्कि उसके अधीन हो गया है।

आधुनिकता का साहित्यिक उपचार

इस व्यापक विमर्श में यह समझना आवश्यक है कि कबीर तकनीक के विरोधी नहीं थे, वे 'बेहोशी' के विरोधी थे।

हम क्लाउड (Cloud) पर जो डेटा सहेज रहे हैं, वह भी 'कागद की पुड़िया' ही है। एक तकनीकी खराबी और सब शून्य।

कबीर का 'कबीरा खड़ा बाज़ार में' आज के डिजिटल मार्केटप्लेस में खड़ा होकर हमें चेतावनी दे रहा है कि 'सबकी खैर' चाहने के लिए पहले स्वयं को जानना होगा।

खंड 5: निष्कर्ष—बुदबुदे से बोध की ओर

इस विस्तृत आलेख का सारांश यह है कि चाहे हम 'मेटावर्स' में चले जाएं या मंगल ग्रह पर बस्तियां बसा लें, हमारा अस्तित्व 'साँई केरा बुदबुदा' ही रहेगा। तकनीक हमें 'सुविधा' दे सकती है, लेकिन 'शांति' कबीर का मार्ग ही देगा।

कबीर की वाणी वह 'एंटी-वायरस' है जो हमारे दिमाग के हार्डवेयर को 'माया' के संक्रमण से बचाती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने 'डिजिटल फुटप्रिंट्स' को कम करें और अपने 'आध्यात्मिक फुटप्रिंट्स' को बढ़ाएं। 2026 के इस दौर में, जहाँ एआई और सोशल मीडिया हमारी चेतना को लील रहे हैं, कबीर का 'असमंजस' हमें पुनः मनुष्य होने की याद दिलाता है।

'पानी केरा बुदबुदा, अस मानुस की जात।
देखत ही छिप जायेगा, ज्यों तारा परभात॥'

यह दोहा केवल एक विदाई गीत नहीं है, बल्कि एक नई शुरुआत का आह्वान है–एक ऐसी शुरुआत जहाँ तकनीक मनुष्य की दासी हो, मालकिन नहीं।

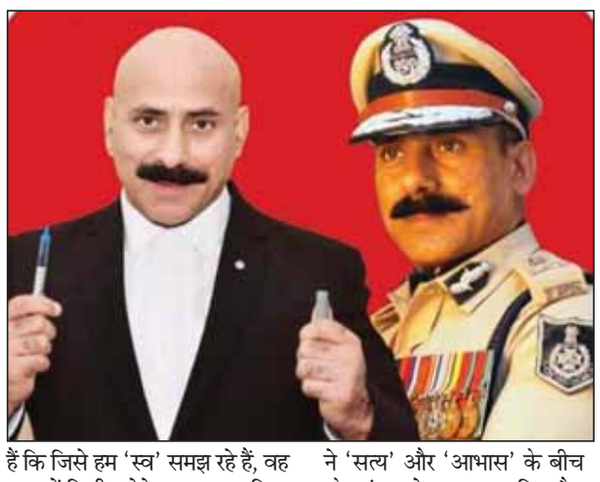

मेधावी छात्रों के सम्मान से खिल उठे चेहरे, शासकीय हाई स्कूल शिकारीपुरा में गरिमामयी समारोह आयोजित

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–
मुरैना/अम्बाह। एकीकृत शासकीय हाई स्कूल शिकारीपुरा में आज मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बोर्ड एवं वार्षिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

अतिथियों का स्वागत एवं गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिपाल सिंह तोमर उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नेकराम कुशवाह और अपनेश सिंह तोमर ने अपनी उपस्थिति से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुशवाह द्वारा की गई, जबकि मंच का सफल संचालन श्री कृष्णा चौहान ने किया।

प्रतिभाओं का सम्मान और प्रोत्साहन

प्राचार्य अशोक कुशवाह ने मेधावी छात्र-छात्राओं को पुष्पमाला एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि 'आप भविष्य में उच्च पदों पर आसीन होकर देश के विकास में अपनी मुख्य भूमिका निभाएं। कठिन परिश्रम से न केवल अपने माता-पिता, बल्कि अपने गाँव और समाज का नाम भी रोशन करें। आपकी सफलता ही विद्यालय की उन्नति का प्रमाण है।'

सम्मानित होने वाले मुख्य सितारे

समारोह में निम्नलिखित विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के लिए विशेष रूप से सराहा गया:

विद्यार्थी का नाम कक्षा प्राप्तांक प्रतिशत स्थान / उपलब्धि
कु. मोहिनी तोमर 10वीं 95.4% विद्यालय में प्रथम स्थान
अनुज कुशवाह 5वीं 87.2% उत्कृष्ट प्रदर्शन
कु. राजनंदनी 9वीं 85.3% उत्कृष्ट प्रदर्शन
कु. तनु किरार 8वीं 85.1% उत्कृष्ट प्रदर्शनइनकी रही विशेष उपस्थिति

इस गौरवशाली क्षण के साक्षी बनने के लिए विद्यालय स्टाफ और ग्रामीण जन बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित परिमाल सिंह, रामवतार सखवार, धर्मेंद्र सिंह गुर्जर, मुकेश नायक, रेनू शर्मा, राम खिलाड़ी कुशवाहा, अनार सिंह, बृजेश शर्मा, मोहर सिंह, संजय सिंह और अखे सिंह सहित समस्त शिक्षक गण उपस्थित थे।

कलचुरी महिलायें सामाजिक कुरीतियों को दूर कर सामाजिक एकता के लिए कार्य करें: डॉ. श्रीमती अर्चना जायसवाल

कलचुरी महिला मंडल ने सामाजिक सुधारों का दिया संदेश, महिलाओं को दिलाई शपथ

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–
इंदौर। कलचुरी महिला मंडल द्वारा आयोजित एक प्रेरणादायक कार्यक्रम में समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से महिलाओं को विभिन्न सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध शपथ दिलाई गई।

आयोजन प्रमुख वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती अर्चना जायसवाल,सुमित्रा चौकसे, किरण बाला जायसवाल ने कार्यक्रम में पानी बचाने, भोजन को झूठा न छोड़ने, मामेरा प्रथा समाप्त करने एवं मृत्यु भोज नहीं करने सहित अन्य संकल्प दिलाए। राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष, रुपा जायसवाल ज्योति जायसवाल, पार्षद संध्या जायसवाल सहित अन्य सदस्यों ने पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था को बढ़ावा देने हेतु महिलाओं को सकोरों का वितरण भी किया।

रूपा जायसवाल सुमित्रा चौकसे द्वारा ज्ञानवर्धक खेलों के माध्यम से महिलाओं को जागरूक किया। श्रीमती अर्चना जायसवाल ने राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु भगवान के इतिहास पर भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। सामाजिक कार्यों के लिए प्रदेश महिला अध्यक्ष मनीषा राय, एवं रेखा चौकसे का सम्मान किया।

इस अवसर पर साधना जायसवाल, माही जायसवाल, माया जायसवाल, दर्शना जायसवाल, अनामिका जायसवाल डॉ. अदिति जायसवाल, छाया जायसवाल, आरती जायसवाल, भारती जायसवाल, भावना जयसवाल, छाया जायसवाल, मनीषा राय, कविता जायसवाल, कशिश जायसवाल, ममता जायसवाल सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी महिलाएं पंजाबी थीम पर भांगड़ा करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के अंत में आभार शीतल जायसवाल, किरण बाला जायसवाल ने माना।

'सैयारा' टीम फिर साथ आई: मोहित सूरी, अक्षय विधानी, अहान पांडे और अनीत पड्डा एक इटेंस रोमांस के लिए फिर करेंगे साथ काम

मुंबई। 'सैयारा' की टीम एक बार फिर साथ आ गई है। मोहित सूरी, अक्षय विधानी (सीईओ, यश राज फिल्म्स) और जेन-जी स्टार्स अहान पांडे और अनीत पड्डा एक बार फिर एक इटेंस रोमांस फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। 'सैयारा' की जबरदस्त सफलता के बाद, जो भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव स्टोरी बनी, यह टीम अपनी अगली अनटाइटल्ड फिल्म के साथ लौट रही है, जो दिल छू लेने वाली कहानी और यादगार संगीत का शानदार मेल पेश करेगी।

रिलीज़ के बाद दर्शकों और आलोचकों की जबरदस्त सराहना पाने वाली यश राज फिल्म्स की 'सैयारा' अपने समय की सबसे बड़ी म्यूजिकल ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बनकर उभरी। फिल्म ने भारत में 338 करोड़ रुपए नेट और दुनिया भर में करीब 580 करोड़ रुपए ग्रॉस की शानदार कमाई की, जो पूरी तरह नए कलाकारों के साथ बनी एक रोमांटिक म्यूजिकल के लिए बेहद बड़ी उपलब्धि है। इसका संगीत लंबे समय तक स्ट्रीमिंग चार्ट्स पर छाया रहा और रिलीज़ के बाद भी इसकी लोकप्रियता बनी रही, जिससे यह फिल्म भारत और दुनिया भर में, खासकर युवाओं के बीच, एक पॉप कल्चर फिनोमेना बन गई।

अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी 'सैयारा' के बाद जेन-ज़ेड की फेवरेट बन गई। फैंस जिन्हें प्यार से 'अहनीत' कहते हैं, अब इस नई फिल्म में फिर साथ नजर आएँगे और अपनी वही आकर्षक केमिस्ट्री, सहज अभिनय और दिलकश स्क्रीन प्रेज़ेंस लेकर लौटेंगे, जिसने 'सैयारा' में उनके प्रदर्शन को यादगार बना दिया था।

मोहित सूरी कहते हैं, 'मेरे लिए हमेशा से लव स्टोरीज़ विशेष ही रही हैं, जब भावनाएँ इतनी गहरी, बेकाबू और खुद को पूरी तरह घेर लेने वाली हो जाती हैं कि उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल हो जाता है। प्यार को पूरी तीव्रता से महसूस किया जाना चाहिए और इसी वजह से मैं एक कहानीकार के तौर पर इस जॉनर की ओर खिंचता हूँ। यह फिल्म भी उसी भावना को खुलकर एक्सप्लोर करती है। 'सैयारा' की टीम के साथ फिर से काम करना बेहद खास है, जैसे यह पहले से तय था। यह एक तरह से घर वापसी है, लेकिन नई क्रिएटिव भूख के साथ। इस बार मैं खुद को एक नए कलाकार की तरह महसूस कर रहा हूँ, उत्साहित, थोड़ा नर्वस, और उम्मीद करता हूँ कि मेरा संगीत एक बार फिर लोगों के दिलों को छुएगा।'

अक्षय विधानी कहते हैं, 'मोहित के साथ हमारा सहयोग एक साझा क्रिएटिव सोच और दिल को छू लेने वाली कहानियाँ कहने की महत्वाकांक्षा पर आधारित है। उनके साथ फिल्म बनाना सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं होता, बल्कि एक एहसास, एक धुन और एक ऐसा पल तलाशना होता है, जो फिल्म खत्म होने के बाद भी दर्शकों के साथ बना रहे। 'सैयारा' ऐसा ही एक अनुभव रहा है, जिसे हम हमेशा संजोकर रखेंगे। अब जब हम फिर साथ आ रहे हैं, तो हम कुछ और ज्यादा सच्चा, ज्यादा संवेदनशील और लंबे समय तक याद रहने वाला बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हमें खुशी है कि अहान और अनीत हमारे साथ फिर जुड़ रहे हैं, क्योंकि जेन-ज़ेड की सबसे पसंदीदा जोड़ी एक बार फिर मोहित सूरी की रोमांटिक दुनिया में नजर आएगी।'

अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर यह यश राज फिल्म्स की फिल्म इस साल के अंत में फ्लोर पर जाएगी और वर्ष 2027 में दुनिया भर में सिनेमाघरों में इसे रिलीज़ करने की योजना है।

अक्षय तृतीया: शाश्वत शुभता, सामाजिक समरसता और मानवीय चेतना का महापर्व

-डॉ. राघवेंद्र शर्मा-

भारतीय वाङ्मय में काल के प्रवाह को केवल अंकों या गणनाओं में नहीं बाँधा गया है, बल्कि इसे एक जीवंत इकाई माना गया है, जहाँ प्रत्येक तिथि अपने भीतर एक विशिष्ट ऊर्जा और आध्यात्मिक संदेश समेटे होती है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि, जिसे संपूर्ण भारत बड़े श्रद्धाभाव से 'अक्षय तृतीया' या 'आखातीज' के रूप में मनाता है, इसी जीवंत परंपरा का चरमोत्कर्ष है। 'अक्षय' शब्द अपने आप में पूर्णता का बोध कराता है–वह जिसका कभी क्षय न हो, जो समय की सीमाओं से परे सदा बना रहे। यह पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान मात्र नहीं है, अपितु यह हमारी सांस्कृतिक विरासत, कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था, सामाजिक उत्तरदायित्व और आधुनिक प्रशासनिक सुधारों का एक अद्भुत संगम है, जो हमें विनाशशील भौतिकता से ऊपर उठकर अविनाशी सत्कर्मों की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है।

अक्षय तृतीया की महत्ता को समझने के लिए इसके पौराणिक और आध्यात्मिक धरातल को देखना आवश्यक है, जहाँ यह तिथि सत युग और त्रेता युग जैसे महान कालखंडों के आरंभ बिंदु के रूप में प्रतिष्ठित है। यह वह पावन दिन है जब भगवान विष्णु ने अपने छठे अवतार परशुराम के रूप में पृथ्वी पर अधर्म का नाश करने के लिए अवतार लिया था। इसी दिन पतित-पावनी गंगा का स्वर्ग से धरा पर आगमन हुआ, जिससे मानवता को शुचिता और जीवन का आधार प्राप्त हुआ। माता अन्नपूर्णा का प्राकट्य भी इसी तिथि को माना जाता है, जो हमें यह स्मरण कराता है कि संसार का पोषण केवल अन्न से नहीं, बल्कि सेवा और करुणा के भाव से होता है। आध्यात्मिक दृष्टि से यह दिन स्वयं के भीतर के उस प्रकाश को जगाने का है जो कभी मंद नहीं पड़ता। शास्त्रों की मान्यता है कि इस दिन किया गया दान, जप और तप 'अक्षय' हो जाता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि संसार में केवल वही संपदा हमारे साथ रहती है जिसे हमने निस्वार्थ भाव से दूसरों को अर्पित कर दिया है। भौतिक वस्तुएं समय के साथ लुप्त हो सकती हैं, लेकिन आत्मा के गुणों का संचय कभी समाप्त नहीं होता, यही इस पर्व का मूल आध्यात्मिक सार है।

भारतीय समाज में अक्षय तृतीया को 'अबूझ मुहूर्त' की संज्ञा दी गई है, जो इसे ज्योतिषीय गणनाओं से भी ऊपर एक सर्वसिद्ध मुहूर्त के रूप में स्थापित करती है। इस दिन किसी भी मांगलिक कार्य के लिए पंचांग देखने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि सूर्य और चंद्रमा की स्थिति इस समय अपनी उच्चतम ऊर्जा में होती है। इसी सुलभता के कारण यह दिन सामूहिक विवाहों के लिए एक बड़े सामाजिक मंच के रूप में उभरा है। सामूहिक विवाह की यह परंपरा केवल आर्थिक सुलभता का साधन नहीं है, बल्कि यह आधुनिक समाज में बढ़ती फिजूलखर्ची और दिखावे की संस्कृति पर एक करारा प्रहार है। जब एक ही मंडप के नीचे विभिन्न आर्थिक और सामाजिक पृष्ठभूमि के परिवार साथ आते हैं, तो जातिगत भेदभाव की दीवारें ढहने लगती हैं और एक समरस समाज की नींव पड़ती है। यह आयोजन गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए गरिमापूर्ण जीवन की शुरुआत का माध्यम बनते हैं, जहाँ आडंबर के स्थान पर आशीष और सद्भाव को प्राथमिकता दी जाती है।

हालाँकि, इस पावन तिथि के साथ 'अबूझ मुहूर्त' की आड़ में बाल विवाह जैसी कुरीति का काला साया भी जुड़ा रहा है, जो समाज के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। बाल विवाह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह एक बच्चे के सुनहरे भविष्य, उसकी शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ किया जाने वाला घोर अपराध है। कम उम्र में विवाह के कारण विशेषकर बालिकाओं को शिक्षा से वंचित होना पड़ता है, जिससे वे आर्थिक रूप से परावलंबी रह जाती हैं। साथ ही, अपरिपक्व अवस्था में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं उनके जीवन को संकट में डाल देती हैं। आज का सजग समाज और सरकारें इस कुप्रथा को जड़ से मिटाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। 'लाडो अभियान' जैसे प्रयासों और प्रशासनिक निगरानी ने ग्रामीण अंचलों में एक नई चेतना का संचार किया है। अब यह सामूहिक उत्तरदायित्व बन गया है कि समाज का प्रत्येक घटक–चाहे वह धर्मगुरु हो, पंडित हो या सेवा प्रदाता–बाल विवाह के विरुद्ध एक दीवार बनकर खड़ा हो। अक्षय तृतीया का वास्तविक उत्सव तभी सफल है जब प्रत्येक बच्चा अपनी शिक्षा और विकास का पूर्ण अवसर प्राप्त कर सके।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मध्य प्रदेश की सरकार ने अक्षय तृतीया को 'सामाजिक सशक्तिकरण' के एक नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया है।

पहलू कृषि संस्कृति से जुड़ा है। किसान इस दिन को नई फसल और नई उम्मीदों के प्रारंभ के रूप में देखते हैं। कृषि महोत्सवों के माध्यम से जैविक खेती और उन्नत बीजों का वितरण इस बात का प्रतीक है कि हमारी प्रगति की जड़ें आज भी मिट्टी से जुड़ी हैं। 'अक्षय कृषि' का विचार आने वाली पीढ़ियों के लिए संसाधनों को सुरक्षित रखने का एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। जब हम अपनी परंपराओं को आधुनिक विज्ञान और सरकारी योजनाओं के साथ जोड़ देते हैं, तो अक्षय तृतीया जैसा पर्व केवल एक दिन का उत्सव न रहकर समाज के सर्वांगीण विकास का इंजन बन जाता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि समृद्धि केवल स्वर्ण के क्रय में नहीं, बल्कि विचारों की शुद्धता और समाज के अंतिम व्यक्ति के प्रति हमारी संवेदनशीलता में निहित है।

इस दृष्टि से देखा जाए तो अक्षय तृतीया भारतीय मेधा और संस्कृति का वह आलोक है जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। यह पर्व हमें यह विश्वास दिलाता है कि यदि हमारे कर्म सत्य और सेवा पर आधारित हैं, तो उनका प्रभाव शाश्वत रहेगा। सामूहिक विवाहों के माध्यम से बढ़ती सामाजिक एकता, बाल विवाह जैसी कुरीतियों के विरुद्ध प्रखर होती जन-चेतना और सरकारों द्वारा किए जा रहे सशक्तिकरण के प्रयास इस बात के प्रमाण हैं कि हम एक बेहतर समाज की ओर बढ़ रहे हैं। अक्षय तृतीया का यह महापर्व हमें संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है कि हम न केवल अपनी सुख-सुविधाओं का संचय करें, बल्कि ज्ञान, संस्कार और परोपकार की ऐसी पूंजी जमा करें जिसका कभी क्षय न हो। जब प्रत्येक व्यक्ति इस बोध के साथ जीवन व्यतीत करेगा, तभी अक्षय तृतीया का आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश सार्थक होगा और हमारा राष्ट्र पुनः विश्व गुरु के पद पर आसीन होकर पूरे विश्व को शांति और शुभता का मार्ग दिखाएगा। सत्कर्मों की यह निरंतरता ही अक्षय तृतीया की सच्ची उपलब्धि है, जो युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी।

आईपीएल - दिल्ली ने बेंगलुरु को रोमांचक मुकाबले में हराया, आखिरी ओवर में 15 रन बनाए

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल के रोमांचक मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हरा दिया। डीसी को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। ऐसे में डेविड मिलर ने लगातार दो छक्के और एक चौका लगाकर एक बॉल रहते टीम को जीत दिला दी।

टॉस हार कर बैटिंग कर रही बेंगलुरु ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 175 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 19.5 ओवर में 6 विकेट रहते टारगेट चेज कर लिया।

डीसी की टीम तीसरी जीत के साथ पॉइंट्स टेबल के चौथे स्थान पर आ गई है। जबकि, आरसीबी 8 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है।

स्टब्स-राहुल के अर्धशतक 176 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पावरप्ले में ही 3 विकेट गंवा दिए। तीनों विकेट भुवरेश्वर कुमार ने लिए। हालांकि ओपनर केएल राहुल एक एंड से टिके रहे और अर्धशतक लगाया। उनके और ट्रिस्टन स्टब्स के बीच चौथे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी हुई।

सॉल्ट का अर्धशतक काम ना आया पहले बैटिंग करने उतरी बेंगलुरु के लिए फिल सॉल्ट ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 38 बॉल पर 63 रन बनाए। उनकी इस सीजन की यह दूसरी फिफ्टी रही। उनके और विराट कोहली के बीच पहले विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी हुई। सॉल्ट के अलावा टिम डेविड ने 26, कोहली ने 19 और देवदत्त पडिक्कल ने 18 रन बनाए।

दिल्ली के 3 बॉलर्स ने 2-2 विकेट लिए दिल्ली के लिए अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और लुंगी एनगिडी ने 2-2 विकेट लिए। मुकेश कुमार को 1 विकेट मिला। वहीं, क्रुणाल पंड्या रन आउट हुए।

भारतीय महिला हॉकी टीम की जबरदस्त वापसी अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज 2-2 पर खत्म

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ चार मुकाबलों के दौरे को 2-2 की बराबरी पर खत्म किया। सीरीज की मुश्किल शुरुआत के बाद, भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए अपने आखिरी 2 मैच जीतकर दौरे का शानदार अंत किया। इस दौरे की शुरुआत 13 अप्रैल को एक कड़े मुकाबले वाले मैच से हुई, जिसमें नवनीत कौर (22') और अन्नू (29') ने भारत के लिए गोल किए। हालांकि, अर्जेंटीना ने यह मैच 4-2 से जीता, जिसमें मारिया एमिलिया लार्सन (11'), विक्टोरिया ग्रैनाटो (18'), और जूलिएटा जानकुनास (42', 55') ने गोल किए, लेकिन भारत ने पूरे मैच के दौरान जोरदार आक्रामक खेल दिखाया। 14 अप्रैल को खेले गए दूसरे मुकाबले में, इशिका (22') ने भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन मेजबान टीम ने 2-1 से करीबी जीत दर्ज की। अर्जेंटीना की तरफ से दोनों गोल अगस्टिना गोरजेलानी (34', 48') ने दागे। 16 अप्रैल को तीसरे मैच में भारत ने अपनी लय हासिल कर ली और 2-1 से जीत दर्ज करके सीरीज में अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं। नवनीत कौर (26') और नेहा (37') दोनों ने पेनाल्टी कॉर्नर से गोल करके भारत को 2-0 की आरामदायक बढ़त दिलाई। अर्जेंटीना की अगस्टिना गोरजेलानी (52') के आखिरी समय में किए गए गोल के बावजूद, भारतीय टीम ने अपना संयम बनाए रखा और जीत हासिल करके आखिरी दिन के मुकाबले को रोमांचक बना दिया। 17 अप्रैल को, सीरीज का आखिरी मुकाबला कड़ा था जो 0-0 की बराबरी पर खत्म हुआ।

नागरिकों ने अध्यक्ष से की गंदगी, साफ-सफाई की शिकायत, मौके पर पहुंचे अध्यक्ष

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/जौरा। साफ-सफाई नहीं होने, गंदगी एक जगह एकत्रित होने की शिकायत जब नागरिकों ने नगर पालिका अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी से की तो नपाध्यक्ष ने तत्काल एक्शन दिखाते हुए मौके पर पहुंच गए। दरअसल नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 में अलख मंदिर के आसपास रहने वाले नागरिकों ने अध्यक्ष श्री माहेश्वरी से शिकायत की थी कि यहां पर गंदगी की समस्या अधिक है, जिस पर से अध्यक्ष श्री माहेश्वरी वार्ड क्रमांक 16 से पार्षद बनवारी फौजी एवं नगर पालिका के सफाई दरोगा की टीम को साथ लेकर पहुंचे। अध्यक्ष ने नगर पालिका कर्मचारियों से सख्त लहजे में निर्देशित किया कि नगर के किसी भी वार्ड में साफ-सफाई के कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, नियमित रूप से दोनों समय साफ-सफाई भी होगी, कचरा भी उठेगा, नाले-नालियों की सफाई भी होगी, सार्वजनिक स्थान के साथ गली मोहल्ले में भी गंदगी यदि आप लोगों को साफ-सफाई गंदगी के लिए नागरिकों द्वारा फोन किए जाएं तो तत्काल मौके पर पहुंचकर सफाई करने के निर्देश भी अध्यक्ष ने सभी को दिए। उनका यह भी कहना था कि जनता को बेहतर स्वच्छता सुविधा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। उनका यह भी कहना था कि ऐसे आकस्मिक निरीक्षण होते रहेंगे, आगे से इस तरह की शिकायत मिली तो संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही भी होगी।

अमेरिका में लोकेश सत्यनाथन ने लॉन्ग जंप में गोल्ड जीता, 8.21 मीटर छलांग लगाई

भारतीय लॉन्ग जंपर लोकेश सत्यनाथन ने अमेरिका के अर्कांसस में आयोजित हृष्ट (नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन) डिवीजन-ढ्ढ चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। लोकेश ने 8.21 मीटर की छलांग लगाकर न केवल अपना पिछला इंडोर नेशनल रिकॉर्ड (8.01 मीटर) तोड़ा, बल्कि वे यह खिताब जीतने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी भी बन गए हैं।

च.ल.स्र के डायलॉग से मिलती है प्रेरणा टेक्सास के टार्लेटन स्टेट यूनिवर्सिटी में हेल्थ साइंस की पढ़ाई कर रहे लोकेश अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद को देतहैं।

वे फिल्म 'च.ल.स्रः चैप्टर 2' के उस दृश्य को याद करते हैं जिसमें नायक अपनी मां से कहता है,यही तुम्हारा सपना था और अब मैं इसे जीतकर दिखाऊंगा।' लोकेश के मुताबिक, अपनी मां के त्याग और उनके शब्दों को याद करने पर आज भी उनके रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

हादसे में चेहरे पर आई थीं गंभीर चोटें, फिर भी नहीं हारी हिम्मत लोकेश की यह कामयाबी आसान नहीं थी। साल 2022 में अमेरिका जाने से पहले बेंगलुरु में उनका एक भयानक एक्सीडेंट हुआ था, जिसमें उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं। चोटों, दर्द और करियर में आए उतार-चढ़ाव के बावजूद उन्होंने अपने पिता की ताकत और मां के विश्वास के दम पर मैदान पर वापसी की।

साउथ अफ्रीका ने टीम इंडिया को 5 विकेट से हराया

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका महिला टीम ने भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में जीत के साथ शुरुआत की है। डरबन में खेले गए मैच में मेजबान टीम ने भारत को 5 विकेट से हरा दिया। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 158 रन बनाए थे, जिसे साउथ अफ्रीका ने कप्तान लौरा वोल्वार्ट की 51 रनों की पारी के दम पर आसानी से हासिल कर लिया।

यह साउथ अफ्रीका का टी-20 इंटरनेशनल में अब तक का पांचवां सबसे सफल रन चेज है। इसी के साथ साउथ अफ्रीका ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी। जेमिमा रोड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर ने तीसरे विकेट के लिए 51 गेंदों पर 71 रनों की साझेदारी की।

15वें ओवर तक भारत का स्कोर 2 विकेट पर 119 रन था और लग रहा था कि टीम 180 के पार जाएगी। हालांकि, आखिरी 5 ओवरों में टीम इंडिया ने सिर्फ 33 रन जोड़े और 4 विकेट गंवा दिए, जिससे टीम 160 के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सकी।

कमलेश दुबे शिक्षा विभाग में विधायक प्रतिनिधि मनोनीत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/जौरा। सनाढ्य ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सेवानिवृत शिक्षक कमलेश दुबे को क्षेत्रीय विधायक पंकज उपाध्याय द्वारा शिक्षा विभाग में अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। विधायक पंकज उपाध्याय द्वारा जारी पत्र में लिखा है कि कमलेश दुबे को शिक्षा विभाग के जिला स्तरीय कार्यालय में संबंधित समस्त कार्यों के समन्वय बैठकों एवं सम्मेलन उपस्थित होने हेतु 1 वर्ष की अवधि के लिए विधायक प्रतिनिधि नामांकित किया गया है। श्री दुबे ने अपने नामांकित होने पर विधायक का आभार व्यक्त किया है, वहीं श्री दुबे को विधायक प्रतिनिधि नामांकित होने पर साथियों ने बधाई दी है।

धरोहर बचाएं, मुरैना को मशहूर पर्यटन स्थल बनाएंः सुधीर आचार्य

विश्व धरोहर दिवस पर विरासत मध्य प्रदेश चैप्टर मुरैना द्वारा संगोष्ठी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/अम्बाह। विश्व धरोहर दिवस के उपलक्ष में विरासत मध्य प्रदेश चैप्टर इकाई मुरैना द्वारा जिले को मशहूर पर्यटक स्थल बनाने और विरासत बचाने की अपील एक संगोष्ठी के माध्यम से की गई. संगोष्ठी में जिले की ऐतिहासिक, पुरातात्त्विक इमारतों, स्मारकों और सांस्कृतिक विरासत को बचाना और दुनिया को उनके बारे में बताना तथा उन्हें यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने के सामूहिक प्रयास होना चाहिए. संगोष्ठी में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विरासत मध्य प्रदेश चैप्टर मुरैना के संयोजक समाजसेवी सुधीर आचार्य ने कहा कि इस मध्यप्रदेश का मुरैना जिला ऐसी ही अनमोल धरोहरों का खजाना है, जो अभी भी पर्यटन के नक्शे पर अपनी असली पहचान का इंतज़ार कर रहा है। मुरैना सिर्फ बीहड़ों के लिए नहीं, 25 हजार साल पुराने शैलचित्रों से लेकर महाभारत काल तक की विरासत समेटे हैं।

यहाँ के प्रमुख पुरातात्विक स्थलों
बटेश्वर मंदिर समूह जो 8वीं-10वीं सदी के 200 से ज्यादा शिव मंदिरों का समूह। पत्थरों पर उकेरी मूर्तियाँ और बिना गारे की संरचना आज भी दुनिया को चौंकाती हैं। मितावली का चौसठ योगिनी मंदिर,1323 ई. में बना। 64 छोटे शिव मंदिर बीच के मुख्य मंदिर के चारों ओर बने इसी मंदिर की डिज़ाइन से प्रेरणा लेकर दिल्ली का पुराना संसद भवन बनाया गया था। यह भारतीय लोकतंत्र की 700 साल पुरानी निशानी है।

ककनमठ मंदिर, सिहोनिया,
10-11वीं सदी का 100 फीट ऊँचा शिव मंदिर। बिना सीमेंट-चूने के एक पर एक रखे पत्थरों से बना है।

पड़ावली गढ़ी
10वीं सदी का शिव मंदिर जिसकी दीवारों पर ब्रह्मा, विष्णु, महेश, सूर्य, काली के अवतार उकेरे हैं। **कुंतलपुर** महाभारत से जुड़ा स्थल। मान्यता है कि यहीं सूर्यपुत्र कर्ण का जन्म हुआ और कुंती ने उन्हें नदी में प्रवाहित किया। कुंती का देश का एकमात्र प्राचीन मंदिर भी यहाँ है। चट्टानों पर सूर्यदेव के घोड़ों के पैरों के निशान आज भी हैं। लिखी छाज, पहाड़गढ़ में भीमबेटका जितने ही पुराने शैलचित्र यहाँ हैं। यूनेस्को ने 14 मार्च को इसे भारत की अस्थायी सूची में जोड़ा है।

पहाड़गढ़ व सबलगढ़ किला
पहाड़गढ़ किला 1446 ई. में और सबलगढ़ 18वीं सदी में बना।

संरक्षण में बाधाएंः
1. **बुनियादी सुविधाओं की कमीः** कुंतलपुर जैसे महाभारत कालीन स्थल पर जाने के लिए अच्छी सड़क नहीं, न रुकने की जगह न कैफेटेरिया।
2. **दुर्गम रास्तेः** बटेश्वर, मितावली, पड़ावली तक बड़े पर्यटक वाहन नहीं पहुँच पाते। सिंगल लेन सड़क है। आगरा से खजुराहो जाने वाले पर्यटक इन स्थलों को छोड़ देते हैं।
3. लिखी छाज के प्राचीन चित्रों पर असामाजिक तत्वों ने पेंट से नाम लिख दिए हैं। सुरक्षा का इंतजाम नहीं है।
4. **प्रचार-प्रसार का अभावः** भीमबेटका से ज्यादा पुरानी धरोहर होने पर भी पर्यटन नक्शे पर जगह नहीं मिली।

पर्यटन की संभावनाएँः
1. **विश्व धरोहर की दहलीज परः** म.प्र. पर्यटन बोर्ड ने बटेश्वर, मितावली, पड़ावली, ककनमठ को यूनेस्को से जोड़ने के लिए हिस्टोरिकल लैंडस्कैप भेजा है। 64 योगिनी मंदिर पहले से यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट में है।
2. **हेरिटेज सर्किटः** पुरातत्व विभाग हेरिटेज वॉक कराता है - मितावली, पड़ावली, बटेश्वर की एक साथ सैर। ग्वालियर-आगरा के पर्यटक भी आते हैं।
3. **अनोखा इतिहासः** संसद भवन की प्रेरणा, भूतों का मंदिर, कर्ण की जन्मस्थली - ये कहानियाँ देशी-विदेशी पर्यटकों को खींच सकती हैं।
4. **विविधताः** एक ही जिले में शैलचित्र, महाभारत काल, प्रतिहार कालीन मंदिर, किले और वन्यजीव अभयारण्य। साथ में मुरैना की गजक का ल्रद्ब टैग भी पर्यटन को स्वाद से जोड़ेगा.

क्या किया जा सकता हैः अंचल के पर्यटन स्थलों पर कार्य करने वाले अजय जैन ने किए जाने वाले प्रयासों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि

1. **कनेक्टिविटी सुधारेंः** सिहोनिया, मितावली, बटेश्वर तक डबल लेन सड़क और साइनेज। बसें चलाई जाएँ।
2. **सुविधाएँ विकसित करेंः** हर बड़े स्थल पर कैफेटेरिया, शौचालय, गाइड, लाइट एंड साउंड शो।
3. **डिजिटल प्रचारः** मुरैना बियॉन्ड द बीहड़' जैसे कैंपेन चलें। सोशल मीडिया पर सभी दर्शनीय स्थलों की कहानी बताएँ।
4. **सुरक्षा कड़ी करेंः** लिखी छाज जैसे शैलचित्रों पर सीसीटीव्ही और गार्ड तैनात हों। स्थानीय युवाओं को हेरिटेज गार्ड बनाएँ।
5. **लोकल को जोड़ेंः** होम-स्टे, स्थानीय गाइड ट्रेनिंग, गजक-बेड़ई के फूड फेस्टिवल से रोजगार बढ़ेगा।

आचार्य ने निष्कर्ष कहा कि मुरैना की धरती पर पत्थर सिर्फ पत्थर नहीं, बोलते इतिहास हैं। बटेश्वर के पुनर्जीवित मंदिर से लेकर संसद की प्रेरणा बने चौसठ योगिनी तक, यह जिला भारत की सांस्कृतिक शक्ति का परिचय है। विश्व धरोहर दिवस पर हमें संकल्प लेना होगा कि इन धरोहरों को सिर्फ बचाएँगे नहीं, बल्कि दुनिया को दिखाएँगे भी। क्योंकि जब ये स्थल यूनेस्को की सूची में आएँगे, तो यह सिर्फ मुरैना नहीं, पूरे भारत के लिए गर्व की बात होगी। संचालन बालकृष्ण शर्मा ने और आभार अरविन्द मावई ने किया। संगोष्ठी में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की।

सफलता की कहानी

मुरझाए पृथ्वी तालाब पर लौटी जैव विविधता की मुस्कान

(हितेन्द्र सिंह भदौरिया)

ग्वालियर। जलकुंभी के जाल, दलदलनुमा गाद और अतिक्रमण की वजह से अपनी पहचान खो चुके ग्वालियर के ÷पृथ्वी ताल÷ ने अब शहर के एक नए ÷ईको दृ टूरिज्म÷ हब का रूप ले लिया है। लगभग 7.27 हेक्टेयर में फैला यह विशाल जलाशय अब केवल पानी का स्रोत नहीं, बल्कि प्रकृति के पुनर्जन्म की कहानी बयां कर रहा है। जहाँ कभी बदबू और गंदगी का साम्राज्य था, आज वहाँ लगभग 120 प्रजातियों के पक्षियों का कलरव और लहरों से टकराकर आने वाली शीतल हवाएं शहरवासियों का स्वागत करती हैं। ऐतिहासिक पृथ्वी ताल का यह कायाकल्प उस श्जल गंगा संवर्धन अभियानश् की स्वर्णिम सफ्लता है, जिसकी पहल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश की जल-विरासत सहेजने के लिए की गई है। इस पहल के तहत जिला प्रशासन, ग्वालियर नगर निगम व समाज ने साझा प्रयासों से मृतप्राय पृथ्वी तालाब को जीवंत कर दिया है। मुरार से लगभग 8.5 किलोमीटर की दूरी पर नगर निगम के वार्ड क्र.-62 में यह तालाब स्थित है।

पृथ्वी तालाब को पुनर्जीवित करना कोई सरल कार्य नहीं था। सालों से जमी गाद और खरपतवार ने तालाब को बदरंग कर दिया था। अभियान के दौरान लगभग एक महीने तक मशीनों और श्रमदान के समन्वय से 100 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉली गाद बाहर निकाली गई। साथ ही तालाब को गहरा किया गया। इस प्रक्रिया ने न केवल तालाब की जल संग्रहण क्षमता को बढ़ाया, बल्कि यहाँ से निकली उपजाऊ मिट्टी को बंजर खेतों में डालकर खेतों के श्स्वास्थ्यश् को भी सुधारा गया। आज यह तालाब बारिश की एक-एक बूंद को सहेजने के लिए पूरी तरह तैयार खड़ा है।नगर निगम ने लगभग 3.49 करोड़ रुपए की राशि खर्च कर इस जलाशय को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है। तालाब के चारों ओर निर्मित स्टोन पिचिंग और वॉकिंग ट्रैक ने इसे सेहत के लिये सजग और सुबह की सैर करने वाले नागरिकों के लिए आदर्श स्थल बना दिया है। शाम ढलते ही तालाब के किनारे लगी आकर्षक लाइटिंग और रैलिंग का प्रतिबिंब पानी में झिलमिलाता है। व्यवस्थित सौंदर्यीकरण ने यहाँ अतिक्रमण की संभावना को भी हमेशा के लिये दूर कर दिया है। पक्षियों का नया आशियाना पृथ्वी ताल की सबसे बड़ी सफ्लता यहाँ लौट रही जैव-विविधता है। ग्वालियर की तपती गर्मी के बावजूद, यहाँ का वातावरण इतना सुखद है कि 120 से अधिक देशी-विदेशी पक्षियों ने इसे अपना घर बना लिया है। साथ ही विलुप्तप्राय कछुओं और अन्य जलीय जीवों को भी इस तालाब ने आश्रय दिया है। शहर से मात्र 8 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थल अब न केवल सुकून की तलाश करने वालों की पहली पसंद बनता जा रहा है। पृथ्वी ताल की यह सफ्लता की कहानी इस बात का प्रमाण है कि यदि साझा प्रयास किए जाएं तो हम अपनी उजड़ती विरासत को न केवल बचा सकते हैं, बल्कि उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक श्उपहारश् के रूप में विकसित भी कर सकते हैं।

पूर्व विधायकों को संविधान में पेंशन का प्रावधान नहीं, फिर भी उन्हें मिल रही है पेंशनः पाराशर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/जौरा। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 195 में विधायकों को वेतन भत्तों का प्रावधान है, लेकिन पूर्व विधायकों को पेंशन का प्रावधान नहीं है, जबकि मध्य प्रदेश सरकार एक और जहां शासकीय सेवा से सेवा निवृत पेंशनरों परिवार पेंशनरों उनके संवेदन अधिकारों से वंचित करता जा रहा है। ऐसा कहना है पेंशनर राज किशोर पाराशर का। प्रेस को लिखित रूप से जारी वक्तव्य में राज किशोर पाराशर का कहना है कि वरिष्ठ पत्रकार 90 वर्षीय मिलाप व चंद्र द्वारा उच्च न्यायालय राजस्थान में जनहित याचिका दायर की थी जिसमें उच्च न्यायालय ने 4 अप्रैल 2023 को राजस्थान सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब भी मांगा है राय किशन पाराशर का कहना है कि पूर्व विधायकों को 20000 प्रति माह पेंशन एवं मेडिकल भत्ता 15000 प्रति माह के स्थान पर 45000 प्रति माह पेंशन वी 20000 मेडिकल भत्ता देने का प्रस्ताव विचार अधीन है सूचना के अधिकार में वित्त विभाग एवं विधानसभा सचिवालय जानकारी नहीं देते हैं इसके अतिरिक्त प्रदेश में असीमित रेल यात्रा पत्नी अटेंडर के लिए एक में यात्राएं व प्रदेश से बाहर 4000 किलोमीटर बस में एक बार निशुल्क है पूर्व विधायक की मृत्यु उपरांत 18000 प्रतिमाह पेंशन पत्नी को मिलती है जिसमें 500 प्रतिमाह बढ़ोतरी होती है। श्री पाराशर का यह भी कहना है कि दो बार विधायक रहने पर 800 प्रति माह पूर्व विधायक को भी बनाए जाते हैं 80 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 20% अतिरिक्त पेंशन भी मिलती है जबकि मध्य प्रदेश के पेंशनरों परिवार पेंशनरों को संविधान के अनुच्छेद 300 ए के तहत दी जाने वाली पेंशन भी देने में राजनीतिज्ञों को या लगता है कि वह अपने मेहनत से उगी फसल बेच कर दे रहे हैं। वरिष्ठ पेंशनर राजकिशोर पाराशर का यहां भी कहना है कि छठवें वेतनमान मैं पेंशन पुनरीक्षण का 32 महीने का बकाया सातवें वेतनमान का पेंशन पुनरीक्षण का 27 महीना का बकाया जुलाई 2019 से अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर दे य तिथि एवं दर से महंगाई राहत एवं वृद्धावस्था में कोई मेडिकल भत्ता भी सरकार नहीं दे पा रही है।

सिंगरौली जिले में हुई बैंक लूट की घटना के मद्देनज़र देवास पुलिस द्वारा सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। सिंगरौली में हुई बैंक लूट की घटना को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक देवास श्केरी पुनीत गेहलोद के निर्देशानुसार आज देवास पुलिस द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम में बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया,नगर पुलिस अधीश्रक सुमित अग्रवाल एवं उप पुलिस अधीक्षक (एल/आर)श्रीमती बबिता बामनिया उपस्थित रहे। उनके द्वारा जिले के बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक के दौरान बैंक प्रबंधन एवं सुरक्षा गार्डों को निर्देशित किया गया कि वे बैंक परिसर में आने वाले संदिग्ध व्यक्तियों पर सतत निगरानी रखें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। इसके साथ ही बैंक में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की नियमित जांच एवं उनकी कार्यशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, सभी बैंकों को इमरजेंसी अलार्म सिस्टम, फायर सेफ्टी उपकरणों की नियमित चेकिंग करने एवं सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करने हेतु निर्देशित किया गया। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से सूचना संकलन में लगे कर्मचारियों एवं बैंक परिसर में डायल-112 नंबर का फ्लेक्स/बैनर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए गए। पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया कि आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा बैंक सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत व्याख्यान माला एवं कार्यशाला का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री कृष्णजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास मे उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार एवं महाविद्यालय की आईक्यूएसी एवं महिला उत्पीड़न विभेद वर्जन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत व्याख्यान माला एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रमुख वक्ता न्यायाधीश श्री सुभाष चौधरी, डिस्ट्रिक लीगल एंड अधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला एवं सत्र न्यायालय देवास तथा गीता ठाकुर ब्लॉक महिला सशक्तिकरण अधिकारी प्रशासक वन स्टॉप सेंटर थी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एसपीएस राणा, कार्यक्रम संयोजक डॉ. विद्या महेश्वरी, डॉ. भारती कियावत, डॉ. लता धुपकरिया, डॉ. लीना दुबे एवं डॉ. सत्यम सोनी ने मंच साझा किया।

प्रमुख वक्ता न्यायाधीश श्री सुभाष चौधरी ने अपने उद्बोधन में कानूनी अधिकार एवं कार्य स्थल पर लैंगिक समानता विषय पर संबोधित करते हुए भरण पोषण अधिनियम पास्को एक्ट लेबर, अभियोजन, अनुच्छेद 14 ,15 एवं 21 के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

महिला बाल विकास अधिकारी श्रीमती गीता ठाकुर ने वन स्टॉप सेंटर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि देवास जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए हमें सभी को जागरुक करते रहना चाहिए।

डॉ सत्यम सोनी ने अपने उद्बोधन में वित्तीय साक्षरता की आवश्यकता को विस्तारपूर्वक समझाया। डॉ. विद्या महेश्वरी ने साइबर सिक्योरिटी वर्तमान समय की आवश्यकता है पर सभी को संबोधित किया। प्राचार्य डॉ. एसपीएस राणा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए। डॉ प्रतिमा रायकवार ने बताया कि महाविद्यालय में नारी शक्ति वंदन, कल की महिला नेतृत्व पर आधारित पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डॉ मनोज मालवीय ने कहा कि महाविद्यालय में कौशल विकास और उद्यमिता पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 200 से अधिक छात्र-छात्राएं तथा महाविद्यालय के स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ संजय गाडगे के द्वारा किया तथा आभार डॉ संदीप नागर ने माना।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने रक्षा मंत्री से की मुलाकात

क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर हुई सार्थक चर्चा

-डॉ. मनोज दुबे-

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

होशंगाबाद। नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने नई दिल्ली स्थित रक्षा मंत्रालय कार्यालय में देश के केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सौजन्य भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच समसामयिक विषयों सहित राष्ट्रीय सुरक्षा एवं क्षेत्रीय विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा हुई। सांसद श्री चौधरी ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प की पूर्ति हेतु रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को और सशक्त बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने क्षेत्र से जुड़े प्रमुख रक्षा संस्थानों के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार के संबंध में भी महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर पचमढ़ी सैन्य शिक्षा केंद्र, इटारसी स्थित आयुध निर्माणी के विस्तार एवं केंद्रीय परीक्षण संस्थान ताकू प्रूफ रेंज के विस्तार जैसे विषयों पर भी सकारात्मक एवं परिणामोन्मुख चर्चा की गई। सांसद श्री चौधरी ने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रयासों से न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी, बल्कि क्षेत्र के विकास एवं रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

लकड़ी के अभाव में अंतिम संस्कार संकट, अध्यक्ष उमंग गुप्ता ने कलेक्टर को लिखा पत्र

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर/जैतहरी। नगर परिषद जैतहरी के अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने जिले के कलेक्टर एवं वन मण्डलाधिकारी को पत्र लिखकर नगर में अंतिम संस्कार के लिए वन विभाग द्वारा लकड़ी उपलब्ध न कराए जाने पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने इस स्थिति को न केवल प्रशासनिक लापरवाही बताया, बल्कि इसे सनातन धर्म की भावनाओं को आहत करने वाला विषय भी बताया है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि जैतहरी नगर में वन विभाग के डिपो में अंतिम संस्कार हेतु आवश्यक लकड़ी उपलब्ध नहीं है, जिससे शोक संतप्त

परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं पूर्व पार्षद स्व. धनराज आहूजा की धर्मपत्नी कृष्णा आहूजा के निधन (16 अप्रैल 2026) के बाद उनके अंतिम संस्कार के लिए भी वन विभाग के डिपो में लकड़ी नहीं मिल सकी। इस घटना ने पूरे नगर में आक्रोश और असंतोष का माहौल पैदा कर दिया है। अध्यक्ष ने अपने पत्र में कहा है कि सनातन धर्म में अंतिम संस्कार अत्यंत श्रद्धा और परंपरा के साथ किया जाता है, ऐसे में लकड़ी जैसी मूलभूत व्यवस्था का अभाव अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वन विभाग पैसे लेने के बावजूद लकड़ी उपलब्ध कराने में असफल हो रहा है,जो कि बेहद निंदनीय है। पत्र में यह भी कहा गया है कि केंद्र और राज्य सरकारें जन्म से लेकर मृत्यु तक अनेक योजनाएं संचालित कर रही हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर इस प्रकार की लापरवाही इन प्रयासों पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है। नगर में बढ़ते आक्रोश को देखते हुए अध्यक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिसकी जिम्मेदारी वन विभाग की होगी। अंत में अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने प्रशासन से मांग की है कि जैतहरी के वन विभाग डिपो में नियमित रूप से अंतिम संस्कार हेतु लकड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

नगर परिषद अमरकंटक का चला पीला पंजाः अतिक्रमण विरोधी अभियान में ध्वस्त किए गए अवैध निर्माण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अमरकंटक प्रवास का दिखने लगा प्रभाव

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर/अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक-आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इस दौरान नगर परिषद अमरकंटक का पीला पंजा अवैध निर्माणों पर चला और शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

स्थानीय नगर परिषद अमरकंटक ने राजस्व विभाग एवं पुलिस बल की मौजूदगी में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कई निर्माण ध्वस्त किए। बताया गया कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अमरकंटक प्रवास के दौरान आयोजित बैठक में जिला प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन को पवित्र नगरी में अतिक्रमण नहीं होने देने तथा अवैध कब्जों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसी के परिपालन में यह अभियान चलाया गया।

नगर परिषद द्वारा वार्ड क्रमांक 2, वार्ड क्रमांक 10 तथा वार्ड क्रमांक 15 में विशेष कार्रवाई की गई, जहां चार छोटे एवं चार बड़े अतिक्रमण हटाए गए। इस कार्रवाई से करोड़ों रुपये मूल्य की शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

उल्लेखनीय है कि अतिक्रमणकारियों द्वारा बिना अनुमति एवं बिना सूचना के शासकीय भूमि पर कब्जा कर अवैध निर्माण किया गया था। पूर्व में संबंधित निर्माणकर्ताओं को नोटिस जारी कर निर्माण रोकने एवं हटाने की हिदायत दी गई थी, लेकिन चेतावनी के बावजूद निर्माण कार्य जारी रखा गया। अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते, नायब तहसीलदार ज्ञानदास पनिका, हल्का पटवारी अश्वनी तिवारी तथा अमरकंटक थाना पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अतिक्रमण विरोधी अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

कलेक्ट्रेट कॉलोनी में जिला प्रशासन ने किया बृहद स्वच्छता अभियान का आयोजन

मानव श्रृंखला बनाकर किया गया सामूहिक श्रमदान, अधिकारियों ने घर-घर पहुँचकर दिया स्वच्छता का संदेश

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के दिशा-निर्देशन में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत जिला मुख्यालय अनूपपुर की कलेक्ट्रेट कॉलोनी में जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। इस विशेष पहल में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने एकजुट होकर स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

मानव श्रृंखला और सामूहिक श्रमदान

स्वच्छता के प्रति जन-चेतना जागृत करने के उद्देश्य से जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी के नेतृत्व में अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया। इस श्रृंखला के माध्यम से न केवल एकजुटता का संदेश दिया गया, बल्कि सभी ने मिलकर सामूहिक रूप से श्रमदान करते हुए कॉलोनी परिसर में व्यापक साफ-सफाई की। इस अवसर पर

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कमलेश पुरी, डिप्टी कलेक्टर प्राशी अग्रवाल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी अनूपपुर,सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वच्छता मित्रों ने मिलकर श्रमदान में सक्रिय भागीदारी निभाई।

घर-घर दस्तक और समझाइश

अभियान के दौरान अधिकारियों ने कॉलोनी के घरों में जाकर नागरिकों से सीधा संवाद किया। इस दौरान निवासियों को प्रेरित किया गया कि वे कचरा इधर-उधर न फेंककर केवल नगर पालिका की कचरा संग्रहण गाड़ी में ही डालें। जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि– 'स्वच्छता को एक जन-आंदोलन बनाना अनिवार्य है और इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।'

स्वच्छता के प्रति बढ़ी जागरूकता

मानव श्रृंखला और श्रमदान की इस संयुक्त पहल से नागरिकों को स्वच्छता और जल संवर्धन के महत्व का प्रभावी संदेश दिया गया। अभियान के दौरान नागरिकों को अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने और नियमित रूप से स्वच्छता गतिविधियों में जुड़ने हेतु प्रोत्साहित किया गया। जिला प्रशासन की इस पहल से क्षेत्र में सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है।

एमपी ई-सेवा' से डिजिटल गवर्नेंस को मिला सशक्त आधारः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

56 विभागों की 1700 सेवाएँ एक ही पोर्टल पर उपलब्ध सेवा वितरण प्रणाली हुई अधिक जवाबदेह एवं सुव्यवस्थित

अनूपपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 'एमपी ई-सेवा पोर्टल और मोबाइल ऐप' के माध्यम से प्रदेश में डिजिटल गवर्नेंस को सशक्त आधार मिला है। इससे नागरिक सेवाएँ अब अधिक सरल, सुगम और सुलभ हुई हैं। डिजिटल तकनीक आज सुशासन की आधारशिला बन चुकी है और प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ते हुए देश में नई पहचान स्थापित कर रहा है। अब प्रदेशवासियों को विभिन्न विभागों की सेवाओं के लिए अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर जाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि एक ही मंच पर सभी सुविधाएँ सहज, त्वरित और पारदर्शी रूप में उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल से सेवा वितरण प्रणाली अधिक जवाबदेह और सुव्यवस्थित बनी है। साथ ही नागरिकों के समय एवं संसाधनों की बचत सुनिश्चित हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह एकीकृत नागरिक सेवा मंच 56 विभागों की 1700 से अधिक सरकारी सेवाओं और योजनाओं को एक ही डिजिटल विंडो पर उपलब्ध करा रहा है। वर्ष 2026 तक 100 प्रतिशत ई-सेवा डिलीवरी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो प्रदेश को डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) के सेंटर

फॉर एक्सीलेंस द्वारा विकसित यह प्लेटफॉर्म नागरिकों, विभागों एवं सेवाओं को एकीकृत डिजिटल इको-सिस्टम में जोड़ते हुए सुशासन को और अधिक प्रभावी तथा परिणामोन्मुख बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

एकीकृत पोर्टल पर सभी सेवाएँः प्रक्रिया हुई सरल

एमपी ई-सेवा पोर्टल पर विभिन्न विभागों की 1700 सेवाओं को एकीकृत कर नागरिकों को बार-बार अलग-अलग पोर्टल पर जाने और दस्तावेज़ जमा करने की आवश्यकता समाप्त की गई है। नागरिक अब eseva.mp.gov.in और मोबाइल ऐप के माध्यम से पात्रता जांच, आवेदन, स्टेटस ट्रैकिंग और अनुमोदन जैसी सभी सुविधाएँ एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकते हैं। पोर्टल पर आधार आधारित प्रमाणीकरण, ई-साइन और डिजिटल प्रमाणपत्र की व्यवस्था से पूरी प्रक्रिया पेपरलेस और फेसलेस बनाई गई है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता दोनों में वृद्धि हुई है।

समग्र पोर्टल से एकीकरणः ऑटो-वेरिफिकेशन की सुविधा

'एमपी ई-सेवा' को समग्र सामाजिक सुरक्षा मिशन के समग्र पोर्टल से जोड़ा गया है। प्रत्येक परिवार को 8 अंकीय परिवार आईडी और हर सदस्य को 9 अंकीय सदस्य आईडी दी गई है। इससे ऑटो-वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को सक्षम बनाया गया है। इससे पात्रता निर्धारण स्वतः हो जाता है और अनावश्यक देरी व दोहराव समाप्त होता है। पोर्टल की प्रमुख विशेषता 'ऑटो-फेचिंग डॉक्युमेंट्स' है, जिससे नागरिकों को बार-बार दस्तावेज़ अपलोड करने की आवश्यकता नहीं रहती।एक बार अपलोड किए गए दस्तावेज आगे की सेवाओं में स्वतः उपलब्ध हो जाते हैं।

सुगम, सुरक्षित एवं नागरिक केंद्रित 'ऐप-डिज़ाइन'

एमपी ई-सेवा पोर्टल को मोबाइल-फर्स्ट दृष्टिकोण के साथ विकसित किया गया है। इसमें बहुभाषीय सुविधा के साथ दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष डिज़ाइन किया गया है, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के नागरिक आसानी से इसका उपयोग कर सकें। प्लेटफ़ॉर्म पर अब तक 2 लाख 14 हजार से अधिक ट्रांसेक्शन दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें 3 हजार 446 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि 1 लाख 64 हजार 600 से अधिक ट्रैक/डाउनलोड गतिविधियाँ और 45 हजार 954 समग्र पात्रता जांचें की गई हैं।

डिजिटल गवर्नेंस में प्रदेश की सशक्त उपस्थिति

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा वितरण आकलन (एनईएसडीए) 2025 रिपोर्ट में मध्यप्रदेश ने 1752 ई-सेवाओं को मैप कर सभी 56 अनिवार्य विभागीय सेवाओं को 100 प्रतिशत एकीकृत करते हुए देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया।प्रदेश को 'सायबर तहसील' के लिए प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार तथा 'संपदा 2.0' के लिए राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं, जो डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में राज्य की उपलब्धियों को दर्शाते हैं।

अमरकंटक जवाहर नवोदय विद्यालय का परचम फिर लहराया

सीबीएसई 10 वीं परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन

अनूपपुर/अमरकंटक। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, अनूपपुर ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता का लोहा मनवाया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम अत्यंत सराहनीय रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने उच्च अंक प्राप्त कर जिले एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया।

विद्यालय के मेधावी छात्र सक्षम केसरवानी ने 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके अलावा प्रयाग सेन ने 95.6 प्रतिशत, सुधांशु गुप्ता ने 95.4 प्रतिशत, सनत प्रजापति ने 95 प्रतिशत तथा अभिनव साहू ने 93.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विशेष रूप से लगभग 70 प्रतिशत विद्यार्थियों ने डिस्टिंक्शन प्राप्त कर विद्यालय की उपलब्धियों में चार चांद लगा दिए। विद्यालय की प्राचार्या अर्चना सिंह पायक ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पण को दिया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों डी. एस. सेंगर, एन. के. साहू,एम. के. द्विवेदी,आशीष कुमार, श्रीमती मनोरमा कौशल,मुक्ता सरीन एवं सचिन जाटव सहित समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आशा जताई कि विद्यार्थी भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं देश का नाम रोशन करेंगे।

अक्षय तृतीया 2026: 100 साल बाद बन रहे हैं दुर्लभ महासंयोग

दान पुण्य से होगी अक्षय फल की प्राप्ति ▸▸ शुभ कार्यों हेतु: अबूझ मुहूर्त ▸▸सतयुग और त्रेता युग का संधिकाल

सनातन धर्म के अनुसार, अक्षय भगवान विष्णु की आराधना के लिए वैशाख माह में यह दिन बेहद खास है। प्रत्येक वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया कहा जाता है। सनातन धर्म के अनुसार, यह दिन बेहद विशेष है क्योंकि इस दिन भगवान विष्णु एवम लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। विष्णु पुराण के अनुसार, भगवान विष्णु का प्रिय महीना वैशाख माह होता है और इस महीने में भगवान विष्णु की पूजा करना बेहद लाभदायक माना जाता है।अक्षय तृतीया पर भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी पाप नाश होते हैं तथा जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ती है। इतना ही नहीं अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम का भी जन्म हुआ था इसीलिए यह दिन भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के रूप में भी मनाते है

अक्षय तृतीया पर100 साल बाद बन रहा दुर्लभ महासंयोग

इस बार अक्षय तृतीया पर आयुष्मान योग, सौभाग्य योग, गजकेसरी योग, त्रिपुष्कर योग, रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग जैसे कई शुभ संयोग एक साथ बन रहे हैं. सूर्य और चंद्रमा की मजबूत स्थिति (सूर्य उच्च राशि मेष तथा चंद्र वृषभ राशि) ने इस दिन की शुभता को और बढ़ा रही है. ऐसे में यह तिथि धन, सफलता और नई शुरुआत के लिए बेहद खास मानी जा रही है.

दिन सर्वसर्वार्थ सिद्धि योग में पूजा करने से सभी सिद्धियों की प्राप्ति होती है। इस योग में माता लक्ष्मी की पूजा करने से सौभाग्य और समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। अक्षय तृतीया पर स्वयं सिद्धि मुहूर्त का निर्माण होने से शुभ कार्य और मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं.

अक्षय तृतीया का महत्व, एवं मुहूर्त

यह मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई वस्तुएं एवम किया हुआ दान पुण्य कभी *क्षय* नही होता उत्तरोत्तर वृद्धि ही होती है तथा भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।इस दिन सोना चांदी जैसी बहुमूल्य वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है खासतौर से सोना धातु।

अक्षय तृतीया 2026 तिथि और मुहूत

अक्षय तृतीया का पर्व 19 अप्रैल 2026 को मनाया जाएगा। पंचांग के अनुसार वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि का आरंभ 19 अप्रैल 2026, दिन रविवार को सुबह 10 बजकर 49 मिनट पर हो रहा है. समापन अगले दिन 20 अप्रैल 2026, दिन सोमवार को सुबह 7 बजकर 27 मिनट पर हो रहा है।

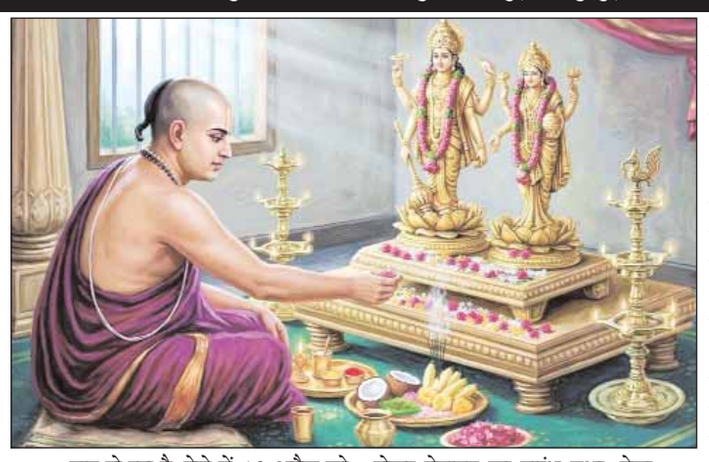

किसी भी तिथि के लिए उदयकाल की तिथि को महत्व दिया जाता है. सूर्योदय के अनुसार यह तिथि 20 अप्रैल को मान्य होगी. लेकिन अक्षय तृतीया के लिए खरीदारी का मुहूर्त 19 अप्रैल को प्राप्त हो रहा है. ऐसे में 19 अप्रैल को यह पर्व मनाया जाएगा.

अक्षय तृतीया साढ़े तीन मुहूर्तों में से एक

अक्षय तृतीया की तिथि को साढ़े तीन मूहूर्तों में से एक मुहूर्त माना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन सतयुग समाप्त होकर त्रेतायुग का प्रारंभ हुआ, ऐसा माना जाता है। इस कारण भी यह दिन संधिकाल ही हुआ। संधिकाल अर्थात मुहूर्त कुछ ही क्षणों का होता है, परंतु अक्षय तृतीया के दिन उसका परिणाम 24 घंटे तक रहता है, इसलिए यह पूरा दिन ही अच्छे कार्यों के लिए शुभ माना जाता है।शादी,नवीन गृह प्रवेश,वाहन खरीदारी आदि शुभ कार्य विना किसी पंचांग शुद्धि के संपन्न किये जाते हैं।

अक्षय तृतीया मनाने की पद्धति

काल गणना का कोई भी प्रारंभ दिन भारतीय पवित्र मानते हैं। परन्तु इस तिथि को विविध धर्मकृत्य बताये हैं। इस दिन - पवित्र (नदियों)जल में स्नान, श्रीविष्णु पूजा, जप, होम, दान एवं पितृतर्पण। इस दिन अपिंडक श्राद्ध करें अथवा पितरों का तिल से तर्पण करें।

अक्षय तृतीया पर करने योग्य धर्मकृत्य

इस तिथि पर श्रीविष्णुपूजा, जप एवं होम यह धर्मकृत्य करने से आध्यात्मिक लाभ होता है। अक्षय तृतीया के दिन सदैव सुख-समृद्धि देनेवाले देवताओं के प्रति कृतज्ञता भाव रखकर उनकी उपासना करने से हम पर उन देवताओं की होनेवाली कृपा का कभी भी क्षय नहीं होता। इस दिन कृतज्ञता भाव से श्रीविष्णु सहित वैभवलक्ष्मी की प्रतिमा का पूजन करें। इस दिन होमहवन एवं जप-जाप करने में समय व्यतीत करें

अक्षय तृतीया के दिन दिए गए दान का महत्त्व

अक्षय तृतीया के दिन दिए गए दान का कभी क्षय नहीं होता। हिन्दू धर्म बताता है, 'सत्पात्र दान करना, प्रत्येक मनुष्य का परम कर्तव्य है।' सत्पात्र दान का अर्थ सत् के कार्य हेतु दानधर्म करना! दान देने से मनुष्य का पुण्यबल बढ़ता है, तो 'सत्पात्र दान' देने से पुण्यसंचयसहित व्यक्ति को आध्यात्मिक लाभ भी मिलता है। संत, धार्मिक कार्य करने वाले व्यक्ति, समाज में धर्मप्रसार करनेवाली आध्यात्मिक संस्था तथा राष्ट्र एवं धर्म जागृति करने। वाले को दान करें, कालानुरूप यही सत्पात्र दान है।

घर में ही गंगा का स्मरण

घर पर ही गंगा जल की कुछ बूंदें जल में डाल कर स्नान करें, तो गंगा स्नान का हमें लाभ होगा। बस इस श्लोक का उच्चारण कर स्नान करें..

गंगेच यमुने चैव गोदावरी सरस्वती। *नर्मदे सिंधु कावेरी जलेस्मिन सन्निधि कुरु।*

सत्पात्र को दान

वर्तमान में विविध ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध हैं। अतः सत्पात्र जिसे भी चाहें आप दान कर सकते है।

प्रस्तुति
पं. रमेश चौरसिया, ज्योतिर्विद

आज मनेगी भगवान परशुराम जयंती 23 अप्रैल को निकलेगा चल समारोह

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। अक्षय तृतीया के मौके पर भगवान विष्णु के छटवें अवतार विप्रजनों के आराध्य भगवान परशुराम का जन्मोत्सव आज मनाया जाएगा। इस मौके पर शहर के बड़ोखर एवं बागचीनी क्षेत्र के हड़बांसी स्थित भगवान परशुराम मंदिरों पर जन्मोत्सव कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

बड़ोखर स्थित भगवान परशुराम मंदिर पर प्रातः 8 बजे भगवान परशुराम का अभिषेक होगा। जिसके बाद महाआरती का आयोजन होगा। वहीं हड़बांसी स्थित भगवान परशुराम मंदिर पर जन्मोत्सव के अवसर पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में सुंदरपुर स्थित भगवान परशुराम के मंदिर पर विशेष पूजा अर्चना के साथ धूमधाम से जन्मोत्सव मनाया जाएगा। जड़ेरूआधाम पर महामंडलेश्वर हरिदास महाराज के द्वारा भगवान परशुराम का अभिषेक कर

जन्मोत्सव मनाया जाएगा। भगवान परशुराम शोभायात्रा एवं चल समारोह समिति के सदस्य हरीश पाठक ने बताया कि अंचल के सभी मंदिरों पर जयंती के मौके पर आकर्षक विद्युत साज-सज्जा की जाएगी। प्रसादी का वितरण होगा। मंदिरों में संकीर्तन एवं सुंदरकांड पाठ के आयोजन होंगे।

23 अप्रैल को निकलेगी वाहन रैली, चल समारोह

परशुराम जयंती के मौके पर 23 अप्रैल को हड़बांसी स्थित परशुराम मंदिर से दोपहर 2 बजे वाहन रैली शुरू होगी। जो एनएच-552 से होकर मुरैना के अंबेडकर स्टेडियम पहुंचेगी। यहां से भव्य चल समारोह प्रारंभ होगा। जो शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ बड़ोखर स्थित भगवान परशुराम मंदिर पहुंचेंगा। चल समारोह में भगवान परशुराम के जीवन पर आधारित विभिन्न झांकियों का मंचन किया जाएगा।

सांदीपनि उ.मा. विद्यालय गोठ में हुआ विद्यार्थियों का सम्मान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रतिभा सम्मान समारोह 18 अप्रैल को सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोठ में हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम माँ शारदे के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इसके बाद विद्यालय केप्राचार्य जेपी तरेटिया द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं उनके माता-पिता का माल्यार्पण किया गया। विद्यार्थियों को शील्ड प्रदान की गई। विद्यार्थियों ने पढ़ाई के विषय में अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यालय के शिक्षकों एवं पालकों ने भी अपने-अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के उप प्राचार्य हरिओम तिवारी द्वारा आभार प्रकट किया गया

100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान में शत-प्रतिशत जोखिम समूह की एक्सरे कराए: डॉ. गुप्ता

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। गत दिवस मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पद्मेश उपाध्याय के निर्देश पर 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा बैठक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महामाया पर आयोजित की गई ,जिसमें डॉ. धर्मेंद्र गुप्ता द्वारा अभियान पर चर्चा की और निर्देशित किया कि प्रत्येक उच्च जोखिम समूह जैसे रेन बसेरा, रेजिडेंसी छात्रावास, वृद्धाश्रम, स्लम बस्ती, ऐसी एरिया जहां टीबी के मरीज अधिक संख्या में उपचार ले रहे हो उन सभी स्थानों पर आरोग्य स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं जिसमें समस्त स्टाफ अधिक से अधिक संभावित हितधारकों की एक्सरे स्क्रीनिंग कर सीबीनेट कराई जाए जिससे हम 100 दिवस में सभी वार्डों और सघन एरिया को कवर कर अधिक टीबी रोगियों को खोज कर उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है और

सके।डीपीसी बृजेश सिंह राजपूत द्वारा बताया गया कि इस अभियान में जिले के 206 हाई रिस्क गांव में आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किए जा रहे है जिसमें मधुमेह, बीपी, एक्सरे, कुपोषित हितधारकों की पहचान हेतु बीएमआई की जांच कर अधिक से उनके परिवार के सदस्यों की सायं टीबी टेस्ट कर छुपी हुई बैक्टीरिया को खोजने का कार्य किया जा रहा है।इस अवसर पर समस्त ए एन एम, सुपरवाइजर, आशा सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महामाया का स्टाफ उपस्थित रहा।

पोरसा में मिठाई दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। पोरसा के जनपद कार्यालय के पास स्थित पार्वती बीकानेर मिष्ठान भंडार में बीती रात अचानक आग लग गई। आग अज्ञात कारणों से लगी, जिससे कुछ ही देर में दुकान के अंदर से तेज लपटें उठने लगीं और धुआं फैल गया। आग की लपटें और धुआं देख आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। समय रहते कार्रवाई से आग को फैलने से रोक लिया गया।

दुकान संचालक बॉबी कुशवाह ने बताया कि वह रोज की तरह शाम को दुकान बंद कर घर चला गया था। देर रात फोन पर सूचना मिली कि दुकान में आग लग गई है। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि आग में लगभग तीन लाख रुपए का नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

हवाई फायरिंग करने वाले आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। थाना अम्बाह पुलिस ने फिरौती नहीं देने पर दहशत फैलाने के उद्देश्य से हवाई फायरिंग करने वाले मामले का खुलासा करते हुए मुख्य साजिशकर्ता सहित 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त 315 बोर का कट्टा और एक जिंदा राउंड भी जब्त किया है।

नगर निरीक्षक वीरेश कुशवाहा के अनुसार, 5 अप्रैल को फरियादी विकास गुप्ता (40), निवासी एमएलडी कॉलोनी अम्बाह की दुकान पर आरोपियों द्वारा फायरिंग कर फिरौती की मांग की गई थी। मामले में थाना अम्बाह में अपराध दर्ज कर बीएनएस की विभिन्न धाराओं में प्रकरण कायम कर जांच शुरू की गई।

विवेचना के दौरान पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता गुल्ली उर्फ शिवम तोमर (26), निवासी ग्राम विण्डवा हाल पूठ रोड अम्बाह को उसके साथी अर्जुन राजावत (22), निवासी दशरथ नगर भिण्ड के साथ 18 अप्रैल को भूमिया मंदिर के पास खाद का पुरा क्षेत्र से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 315 बोर का कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि शिवम तोमर पर पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें मारपीट, धमकी, फायरिंग एवं आर्म्स एक्ट के प्रकरण शामिल हैं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों का बाजार में जुलूस निकाला और उन्हें घटनास्थल तक ले जाया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक बीरेश कुशवाह, उपनिरीक्षक अमर सिंह, उपनिरीक्षक प्रज्ञाशील, प्रधान आरक्षक सत्यवीर सिंह, रविन्द्र शर्मा सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्लॉट में मिला मजदूर का शव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। पोरसा कस्बे के नई बस्ती रामनगर इलाके में शनिवार को घर के सामने एक खाली प्लॉट में मजदूर का शव मिला है। मृतक की पहचान मकान मालिक कोक सिंह जाटव के रूप में हुई है, जो 12 अप्रैल को ही मुंबई से मजदूरी कर लौटा था।

शख्स का दो दिन पहले शराब पीने को लेकर पत्नी से विवाद हुआ था, जिसके बाद पत्नी मायके चली गई थी। इसके अलावा मृतक पर 3 लाख रुपए का कर्ज होने और लेनदारों द्वारा चार गुना रकम मांगने की बात भी सामने आ रही है। वर्तमान में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है और मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू पर जांच शुरू कर दी है।

क्लेप कार्यक्रम अंतर्गत जल संरक्षण जागरूकता अभियान, महाराजपुर गांव को लिया गोद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारत स्काउट एवं गाइड, मध्यप्रदेश जिला संघ मुरैना द्वारा NICEF के सहयोग से संचालित क्लेप (CLAP) कार्यक्रम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण जन-जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन क्लेप कार्यक्रम की सहायक जिला कोऑर्डिनेटर श्रीमती सारिका चतुर्वेदी के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर स्काउट-गाइड के छात्र-छात्राओं द्वारा महाराजपुर, मुरैना गांव को गोद लेते हुए जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया गया। विद्यार्थियों ने घर-घर जाकर ग्रामीण परिवारों से संपर्क किया एवं उन्हें जल संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

छात्र-छात्राओं ने ग्रामीणों को जल की बर्बादी रोकने, वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग), नलों का अनावश्यक उपयोग बंद करने, तथा दैनिक जीवन में पानी बचाने के छोटे-छोटे उपाय अपनाने हेतु प्रेरित किया। इस दौरान परिवारों को यह भी बताया

गया कि जल ही जीवन का आधार है और इसके संरक्षण से ही भविष्य सुरक्षित रह सकता है।

कार्यक्रम में जिला सचिव शेखर सिंह यादव एवं सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट), चम्बल संभाग मुरैना वीरसिंह यादव की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त वीरसिंह यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्काउट-गाइड आंदोलन केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा एवं जनजागरूकता के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जल संरक्षण जैसे विषयों पर युवाओं की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। सहायक जिला कोऑर्डिनेटर श्रीमती सारिका चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि क्लेप कार्यक्रम का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना ही नहीं, बल्कि व्यवहार में परिवर्तन लाना है। जब तक प्रत्येक परिवार जल संरक्षण को अपनी दैनिक आदत का हिस्सा नहीं बनाएगा, तब तक स्थायी परिणाम संभव नहीं हैं। उन्होंने स्काउट-गाइड के बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ा है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष डॉ. विवेक राठी, जिला शिक्षा अधिकारी भगवान सिंह इन्दौलिया, जिला मुख्य आयुक्त गिर्राज सिंह यादव, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) चंबल संभाग मुरैना वीरसिंह यादव, जिला सचिव शेखर सिंह यादव एवं कोषाध्यक्ष सीताराम गुर्जर सहित सभी पदाधिकारीगणों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे जनहित में अत्यंत उपयोगी पहल बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी स्काउट-गाइड ने जल संरक्षण हेतु सतत प्रयास करने एवं समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। यह जानकारी जिला सचिव श्री शेखर सिंह यादव द्वारा प्रेस को जारी की गई।

ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संकट से राहत: कैलारस विकासखंड के 8 गांवों में पेयजल परिवहन की स्वीकृति

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। ग्रीष्म ऋतु में संभावित पेयजल संकट को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव द्वारा जनपद पंचायत कैलारस के अंतर्गत चयनित ग्रामों में पेयजल परिवहन की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह व्यवस्था 15 अप्रैल से 15 जून 2026 तक प्रभावी रहेगी।

15 अप्रैल से 15 जून 2026 तक चलेगा विशेष प्रबंध

इस योजना के अंतर्गत 5 ग्राम पंचायतों के 8 मजरा-टोलों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इनमें ग्राम पंचायत डुंगरावली के शक्तिपुरा, ठाठीपुरा के नया गांव सहराना, रामपुरा मानगढ़, महेवा पंचायत के महेवा का पुरा, पनिहारी पंचायत के चेंटीखेड़ा, देवखोरी, तालपुरा तथा गोलहारी पंचायत के बरई का पुरा शामिल हैं।

अनुभाग सबलगढ़ अंतर्गत इन क्षेत्रों में पेयजल परिवहन कार्य शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुरूप किया जाएगा। इस दौरान उपयोग में लाए गए संसाधनों–जैसे वाहन, ट्रैक्टर, टैंकर आदि–का विधिवत अभिलेखीकरण (लॉगबुक), बिल-वाउचर एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज तैयार किए जाएंगे।

संबंधित जानकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत कैलारस द्वारा संकलित कर कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री, उपयंत्री (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग) तथा संबंधित सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक से प्रमाणित कराई जाएगी। इसके पश्चात सभी अभिलेख निर्धारित अवधि के भीतर जिला कार्यालय की राजस्व लेखा शाखा में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय-सीमा के पश्चात प्रस्तुत बिल स्वीकार नहीं किए जाएंगे।पेयजल परिवहन कार्य की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी भी अनिवार्य रूप से कराई जाएगी। संबंधित फोटो, वीडियो (सीडी) एवं अभिलेख बिल-वाउचर के साथ जिला कार्यालय में प्रस्तुत किए जाएंगे। साथ ही परिवहन कार्य में लगे वाहनों की लॉगबुक कलेक्टर कार्यालय को प्रेषित की जाएगी। उक्त संपूर्ण कार्यवाही मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग द्वारा वर्ष 2007 में जारी स्थायी निर्देशों के अनुरूप संपादित की जाएगी तथा निर्धारित प्रारूपों में जानकारी समय पर कलेक्टर कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा।

अवैध खनन एवं परिवहन पर संयुक्त कार्रवाई

मुरैना। कलेक्टर के मार्गदर्शन में वन, खनिज, पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध संयुक्त रूप से व्यापक कार्रवाई की गई। इस विशेष अभियान के अंतर्गत रेत सहित अन्य खनिजों के अवैध दोहन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच एवं कार्यवाही की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस संयुक्त अभियान में अवैध खनिज से संबंधित 21 प्रकरण दर्ज किए गए, जबकि अवैध परिवहन के 100 मामलों में कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त अवैध भंडारण के 13 मामलों का भी खुलासा हुआ। कार्रवाई के दौरान कुल 76 वाहनों की जांच/जप्ती की गई, जिनमें से 5 वाहन विधिवत जप्त किए गए। इस अभियान में कुल 7 लाख 21 हजार 163 रुपये का जुर्माना निर्धारित किया गया, जिसमें से 5 लाख 60 हजार 879 रुपये की वसूली की जा चुकी है। साथ ही 12 मामलों में एफआईआर दर्ज कर 41 आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई प्रारंभ की गई।विशेष रूप से बिना नंबर प्लेट वाले 33 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 11 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया, जबकि ओवरलोडिंग के एक मामले में 10 हजार रुपये का दंड अधिरोपित किया गया। इस पूरी कार्रवाई में 93 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संयुक्त टीम ने भाग लिया। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध इस प्रकार की सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

जेबराखेड़ा में शटरिंग मजदूर ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

मुरैना। स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के जेबराखेड़ा गांव में शनिवार को एक शटरिंग का काम करने वाले मजदूर ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मिली जानकारी के मुताबिक जेबराखेड़ा गांव निवासी संजय इंदौरिया 35 पुत्र रघुवीर इंदौरिया शटरिंग लगाने का काम किया करता था। शुक्रवार को संजय अपनी पत्नी को साथ लेकर सहराना गांव में रहने वाले ममिया ससुर के यहां आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गया हुआ था। देर रात को पत्नी को सहराना गांव में छोड़कर संजय अपने घर आ गया था। शनिवार की दोपहर घर में संजय के अलावा उसकी बेटी और मां मौजूद थे। इसी दौरान संजय ने कमरे में जाकर रस्सी का फंदा बनाया और उस पर झूल गया। जब काफी देर तक संजय कमरे से बाहर नहीं निकला तो उसकी बेटी ने कमरे का दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन अंदर से कुंदी लगी हुई थी। उसने अपनी दादी को सूचना दी। जिसके बाद आसपड़ौस के लोगों की मदद से पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कमरे की दीवार में छेद कर कुंदी को खोला तो अंदर संजय फंदे पर झूलता हुआ मिला। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

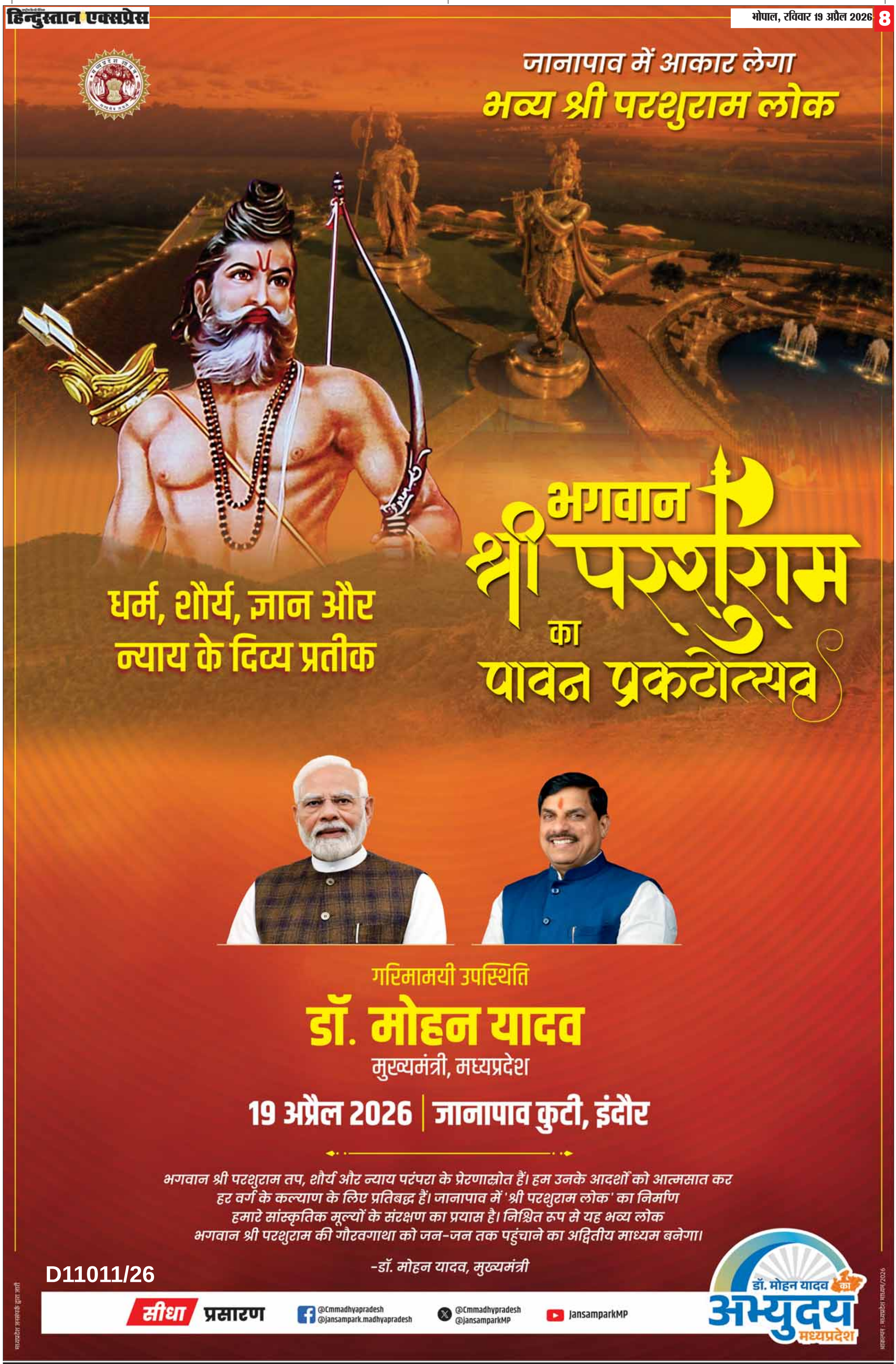

स्वामित्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए श्रीसिद्धीविनायक प्रिन्टर्स, 26 बी, प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1 एम.पी. नगर भोपाल मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 5-अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। आर.एन.आई नं. MPHIN/2007/18768
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे 94251-26060, प्रबंध संपादक विकास शिवहरे 9770080488, संयुक्त संपादक- नीरज शिवहरे 9827359400, सहायक संपादक- संजय माकवे 9425375149, भोपाल कार्यालय- 5 अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय होगा।